- bordernewsmirror@gmail.com
- पटना, दिल्ली व कोलकाता से एक साथ प्रसारित
- द्विभाषिक समाचार पत्र

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

02 चिराग पासवान ने किया हाजीपुर से लोकसभा चुनाव लड़ने का ऐलान

04 गौरैया संरक्षण दिवस पर छात्रों को किया जागरूक

बॉर्डर न्यूज मिरर

...खबरों से समझौता नहीं

● पटना, गुरुवार, 21 मार्च 2024 | www.bordernewsmirror.com | ● पृष्ठ: 08, मूल्य: 5 रूपए ● वर्ष: 05, अंक: 21

LAKSHYA RAJ KIDZEE

Kuraniya May, Purnahia, Ghorasahan, East Champaran - 9006421583

कचनार के फूलों से बनेगा गुलाल

होली खेलेंगे रामलला

CSIR–NBRI के वैज्ञानिकों ने तैयार किए दो खास हर्बल गुलाल

बीएनएम@लखनऊ

अयोध्या के भव्य-दिव्य-नव्य मंदिर में विराज रहे श्रीरामलला इस बार कचनार के फूलों से बने गुलाल से होली खेलेंगे। विरासत को सम्मान देने के भाव के साथ सीएसआईआर-एनबीआरआई के वैज्ञानिकों ने कचनार के फूलों से बने गुलाल को खास तौर पर तैयार किया है। यही नहीं वैज्ञानिकों ने गोरखपुर स्थित गोरखनाथ मंदिर में चढ़ाए हुए फूलों से भी एक हर्बल गुलाल तैयार किया है। बुधवार को संस्थान के निदेशक ने दोनों खास गुलाल मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भेंट किए।

मुख्यमंत्री ने इस विशेष पहल के लिए संस्थान के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि यह निश्चित रूप से उत्तर प्रदेश के साथ-साथ देश के कई स्टार्ट-अप और उद्यमियों के लिए अधिक अवसर एवं रोजगार प्रदान करेगा। निदेशक डॉ. अजित कुमार शासनी ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा अयोध्या में रामायणकालीन वृक्षों का संरक्षण किया जा रहा है। विरासत को सम्मान और परंपरा के संरक्षण देने के यह प्रयास हमारे वैज्ञानिकों के लिए प्रेरणास्पद है।

इसी के तहत संस्थान ने श्रीराम जन्मभूमि के लिए बौहिनिया प्रजाति जिसे आमतौर पर कचनार के नाम से जाना जाता है, के फूलों से हर्बल गुलाल बनाया है। कचनार को त्रेतायुग में अयोध्या का राज्य वृक्ष माना जाता था और यह हमारे आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति की सुस्थापित औषधि के रूप में इस्तेमाल किया जाता रहा है। इसमें एंटी-इंफ्लेमेटरी, एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-फंगल आदि गुण होते हैं।

इसी तरह गोरखनाथ मंदिर में चढ़ाए हुए फूलों से हर्बल गुलाल को तैयार किया गया है। इन हर्बल गुलाल का परीक्षण किया जा चुका है और यह मानव त्वचा के लिए पूरी तरह से सुरक्षित और पर्यावरण के अनुकूल है।

निदेशक डॉ. शासनी ने बताया कि कचनार के फूलों से हर्बल गुलाल लैवेंडर फ्लेवर में बनाया गया है, जबकि गोरखनाथ मंदिर में चढ़ाए हुए फूलों से हर्बल गुलाल चंदन फ्लेवर में विकसित किया गया है। इन हर्बल गुलाल में रंग चमकीले नहीं होते क्योंकि इनमें लेड, क्रोमियम और निकल जैसे केमिकल नहीं होते हैं।

बॉन्ड से भाजपा को ज्यादा चंदा मिलने की बात सबसे बड़ा झूठ: शाह

नई दिल्ली। अमित शाह ने भाजपा को चुनावी बॉन्ड के मार्फत ज्यादा चंदा मिलने के विपक्ष के दावे को सरासर झूठ करार दिया है। शाह ने साफ किया कि इंडी गठबंधन को भी भाजपा के बराबर ही 6200 करोड़ का चंदा चुनावी बॉन्ड के मार्फत मिला है।

चुनावी बॉन्ड को लेकर विपक्ष के हमले का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि गुरूवार को इनकी जानकारी सार्वजनिक होने के बाद विपक्षी नेताओं को मुंह छुपाने की जगह नहीं मिलेगी। सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर सीधी टिप्पणी करने से बचते हुए शाह ने कहा कि चुनावी बॉन्ड योजना से राजनीतिक फंडिंग में कालेधन के इस्तेमाल रोकने में काफी हद तक मिल रही थी और इसके लिए उन्होंने आंकड़े भी प्रस्तुत किये। एक मीडिया समूह के कार्यक्रम में बोलते हुए अमित शाह ने विपक्ष पर चुनावी बॉन्ड योजना के बारे में झूठ फैलाने का आरोप लगाया।

चुनावी बॉन्ड को सरकार की हफ्ता वसूली वाले राहुल गांधी के बयान जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें बताना चाहिए कि कांग्रेस ने 1600 करोड़ रुपये की हफ्ता वसूली किससे की। सरकार से मदद की आड़ में बॉन्ड लेने के झूठ का पर्दाफाश करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा को चुनावी बॉन्ड से 90 फीसद फंड चुनाव के दौरान मिला है, जब आदर्श चुनाव आचार संहिता लागू होती है। आदर्श चुनाव आचार संहिता लागू होने के दौरान सरकार किसी भी मदद करने की स्थिति में नहीं होती है।

प्रधानमंत्री मोदी ने यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की से की बात

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की से बुधवार को टेलीफोन पर बातचीत की। प्रधानमंत्री ने रूस-यूक्रेन संघर्ष को सुलझाने के लिए बातचीत और कूटनीति को आगे बढ़ाने की बात दोहराई। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार दोनों नेताओं ने विभिन्न क्षेत्रों में भारत-यूक्रेन साझेदारी को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। रूस-यूक्रेन संघर्ष पर चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री ने भारत के जनकेंद्रित दृष्टिकोण को दोहराया और आगे बढ़ने के लिए बातचीत और कूटनीति का आह्वान किया।

उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत दोनों पक्षों के बीच सभी मुद्दों के शीघ्र और शांतिपूर्ण समाधान के सभी प्रयासों का समर्थन करता है। उन्होंने कहा कि भारत शांतिपूर्ण समाधान का समर्थन करने के लिए अपनी क्षमता के अनुसार सब कुछ करना जारी रखेगा। राष्ट्रपति जेलेंस्की ने यूक्रेन के लोगों के लिए भारत की निरंतर मानवीय सहायता की सराहना की। दोनों नेता संपर्क में बने रहने पर सहमत हुए।

प्रधानमंत्री ने एक्स पोस्ट में कहा, "भारत-यूक्रेन साझेदारी को मजबूत करने पर राष्ट्रपति

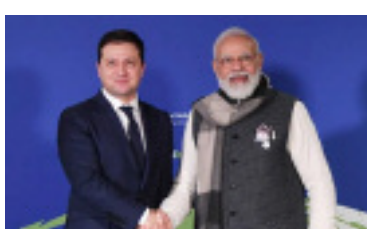

जेलेंस्की के साथ अच्छी बातचीत हुई। शांति के सभी प्रयासों और चल रहे संघर्ष को शीघ्र समाप्त करने के लिए भारत के निरंतर समर्थन से अवगत कराया। भारत हमारे जनकेंद्रित दृष्टिकोण द्वारा निर्देशित मानवीय सहायता प्रदान करना जारी रखेगा।"

नीट पीजी-2024 की परीक्षा 23 जून को होंगी, एनएमसी ने जारी किया कार्यक्रम

नई दिल्ली। देश में 23 जून को नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट- पीजी (नीट-पीजी) की परीक्षा 23 जून को आयोजित की जाएंगी। राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग (एनएमसी) ने बुधवार को परीक्षा का कार्यक्रम जारी किया।

कार्यक्रम के मुताबिक नीट-पीजी की परीक्षा 23 जून 2024 को आयोजित की जाएगी। परीक्षा के नतीजे 15 जुलाई तक घोषित किए जाएंगे। काउंसलिंग 5 अगस्त से 15 अक्टूबर तक चलेंगी। शैक्षणिक सत्र 16 सितंबर से शुरू होंगे। परीक्षा पास करने वाले छात्रों के लिए दाखिला लेने की अंतिम तारीख 21 अक्टूबर 2024 होगी।

आयोग ने बताया कि नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन इन मेडिकल साइंसेज के साथ मेडिकल काउंसलिंग कमेटी, हेल्थ साइंस के महानिदेशक और पोस्ट ग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन बोर्ड के साथ बैठक के बाद नीट-पीजी की परीक्षा का कार्यक्रम तय किया गया है।

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR)
Contact No.- 9801637890, 6200450565, 9113374254

अपराधी-माफिया से घिरे रहे लालू प्रसाद

ईडी की कार्रवाई पर खेल रहे विक्टिम कार्ड: सुशील मोदी

बीएनएम@पटना

पूर्व उप मुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने कहा कि लालू प्रसाद हमेशा ऐसे लोगों से घिरे रहे, जिनके लिए अपराध, भ्रष्टाचार और माफियागिरी सामान्य व्यवहार है। राजद के लिए भ्रष्टाचार कोई मुद्दा नहीं है।

मोदी ने बुधवार को यहां कहा कि विधायक शम्भू नाथ यादव, सुभाष यादव, अरुण यादव, राजबल्लभ यादव (पूर्व विधायक) जैसे लोगों को लालू प्रसाद संरक्षण देते रहे। जब इनके खिलाफ कार्रवाई हुई और ईडी के छापे पड़े तब विक्टिम कार्ड खेला जाने लगा। लालू परिवार भ्रष्टाचारियों को पीड़ित बता कर उनका राजनीतिक बचाव कर रहा है।

मोदी ने कहा कि बालू-शराब माफिया के लोग राजद की पॉलिटिकल फंडिंग करते रहे और लालू परिवार के कालेधन को सफेद करने में भी पीछे नहीं रहे।

उन्होंने कहा जिस सुभाष यादव की कंपनी पर ईडी का छापा पड़ा, उसने राबड़ी देवी के तीन फ्लैट एक ही दिन खरीदे थे। क्या इस पर जांच एजेंसियों को पूछताछ नहीं करनी चाहिए? राजद की राजनीति हर तरह के अपराध को संरक्षण देती है।

समाचार भेजें

किसी भी प्रकार का समाचार, विचार एवं विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें– 9471060219

ई-मेल भेजें

bordernewsmirror@gmail.com

बीपीएससी शिक्षक भर्ती परीक्षा रद्द, पेपर लीक के बाद बिहार लोक सेवा आयोग का बड़ा फैसला

बीएनएम@पटना

बिहार लोक सेवा आयोग (BPSC) ने 15 मार्च 2024 को तीसरे चरण की शिक्षक भर्ती परीक्षा (TRE 3.0) को रद्द कर दिया है। परीक्षा रद्द करने का कारण प्रश्नपत्र लीक होना बताया जा रहा है। परीक्षा से पहले ही प्रश्नपत्र सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था। ईओयू की रिपोर्ट ने आयोग ने इस मामले की जांच के बाद परीक्षा रद्द करने का फैसला लिया। परीक्षा रद्द होने से अभ्यर्थियों में काफी रोष है। अभ्यर्थियों का कहना है कि आयोग ने परीक्षा रद्द करने का फैसला बहुत देर से लिया। इससे अभ्यर्थियों को काफी परेशानी हुई है।

बता दें कि बिहार लोक सेवा आयोग ने राज्य पुलिस की आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) से 'ठोस सबूत' मांगे थे ताकि यह पता लगाया जा सके कि शिक्षक भर्ती का प्रश्न पत्र परीक्षा शुरू होने से पहले लीक हुआ था। बीपीएससी की ओर से साफ-साफ कहा गया था कि ठोस साक्ष्य प्राप्त होने और समीक्षा के बाद ही 15 मार्च, 2024 को आयोजित परीक्षा को लेकर आयोग द्वारा निर्णय लिया जाएगा।

बीपीएससी की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि बीपीएससी को सौंपी गई शिक्षक भर्ती परीक्षा (टीआरई)-3 के पेपर लीक से संबंधित ईओयू की रिपोर्ट में ठोस सबूत मिले है, जिससे पता चलता है कि परीक्षा शुरू होने से पहले ही प्रश्न पत्र लीक हो गया था। यही कारण है कि दोनों पालियों में ली गई परीक्षा रद्द की जा रही है। नई तिथि की बाद में घोषणा की जाएगी।

चिराग पासवान ने किया हाजीपुर से लोकसभा चुनाव लड़ने का ऐलान

बीएनएम@पटना

लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान ने बिहार की हाजीपुर लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने का ऐलान कर दिया है। दिल्ली में आज बुधवार को लोजपा (रामविलास) की संसदीय बोर्ड की बैठक हुई। बैठक में कौन कहां से चुनाव लड़ेगा, इस पर फैसला हुआ। बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए चिराग पासवान ने बताया कि आज की बैठक में यह तय किया गया है कि वह लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) की तरफ से एनडीए गठबंधन के उम्मीदवार के तौर पर हाजीपुर से लोकसभा का चुनाव लड़ेंगे।

इसके साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि

पार्टी की बिहार ईकाई की तरफ से पार्टी के अन्य कोटे की सीटों के लिए उम्मीदवारों के नाम आए हैं। आने वाले दिनों में उन सीटों पर भी उम्मीदवारों के नाम घोषित किए जाएंगे। वहीं एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि चाचा (पशुपति पारस) स्वयं परिवार को छोड़ कर गए थे।अब भविष्य में वह क्या करेंगे, यह फैसला उन्हें ही करना है।

सूत्रों के मुताबिक, संसदीय बोर्ड की बैठक में जुमई से चिराग पासवान के बहनोई अरुण भारती और समस्तीपुर से संजय पासवान को उम्मीदवार बनाया जा सकता है। जबकि वैशाली और खगड़िया सीट के लिए प्रत्याशी पर चर्चा के बाद कोई फैसला किया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक, चिराग पासवान में बैठक में ये भी क्लियर कर दिया कि जिन लोगों ने पार्टी तोड़ने में भूमिका निभाई थी, उन्हें लोजपा (रामविलास) की ओर से सीट नहीं मिलेगी।

मौसम कई जिलों में प्री-मॉनसून बारिश का अलर्ट

गर्जना के साथ ओलावृष्टि की चेतावनी

पटना। काल बैशाखी के प्रभाव से राजधानी पटना समेत दक्षिण बिहार के कई हिस्सों में रुक-रुक कर बारिश हो रही है। पिछले 24 घंटों के दौरान जमुई के चकाई में 16.4 मिलीमीटर वर्षा रिकॉर्ड की गयी। मौसम विज्ञान केन्द्र पटना के अनुसार अगले 48 घंटों के दौरान राज्य के अधिकतर भागों में हल्की से मध्यम वर्षा हो सकती है। कुछ स्थानों पर वज्रपात की भी आशंका है। मौसम विभाग के अनुसार इस दौरान पटना, नालंदा, शेखपुरा समेत राज्य के दक्षिणी भागों में कई स्थानों पर ओलावृष्टि की सम्भावना है।

मौसम विभाग की ओर से राज्य के दक्षिणी हिस्सों में बादल गरजने और ओले गिरने की की आशंका जारि की है। इनमें कुल 20 जिले शामिल है। राज्य में येलो अलर्ट जारी के जरिए लोगों को सचेत भी किया गया है। माना जा रहा

है कि इस दौरान होने वाली बारिश की प्री मॉनसून वाली होगी। कुछ इलाकों में 19 मार्च से ही बारिश का सिलसिला शुरू हो गया, जबकि कुछ इलाकों में आज से बारिश की गतिविधियां शुरू हो जाएंगी। मौसम विभाग के अनुसार हिमालय क्षेत्र में पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने के कारण मौसम में बदलाव देखने को मिल रहा है।

पटना में वज्रपात की घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गयी। बताया जा रहा है कि पटना हवाई अड्डे के रनवे पर चल रहे निर्माण कार्य में लगे सुपरवाईजर बंगाल निवासी नवो कुमार ठनका की चपेट में आकर बुरी तहर झुलस गये। बाद में आईजीआईएमएस में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गयी। इधर, मौसम विभाग ने आज पटना, नालंदा, वैशाली और जहानाबाद समेत राज्य के दक्षिणी भागों में कई स्थानों पर वज्रपात की आशंका को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

वाहन चेकिंग के दौरान अवैध हथियार के साथ दो गिरफ्तार

सहरसा। आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर जिले में प्रवेश करने वाले सभी रास्ते पर चेकपोस्ट बनाया गया है।

पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार सभी चेकपोस्ट पर वाहनों की सघन तलाशी अभियान चलायी जा रही है।सभी थाना क्षेत्रों में भी वाहन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है।

उसी क्रम में जिले के बिहरा थाना की पुलिस ने दिवा गश्ती में गुप्त सूचना के आधार पर ग्राम विशनपुर एसडीएम कॉलेज के पास से दो व्यक्ति को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया गया।जिसकी पहचान अमित कुमार, साकिन मेनहा वार्ड नं०15 थाना-बिहरा जिला सहरसा एवं राहुल कुमार साकिन गंगापत्ती थाना लौकहा, जिला सुपौल को एक पिस्टल, तीन जिन्दा कारतूस एवं एक मोटरसाइकिल के साथ गिरफ्तार किया गया।इस सम्बंध में बिहरा थाना कांड संख्या 54/24 धारा-25 (1-ए) बी / 26 / 35 आर्म्स एक्ट दर्ज कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

M.S. MEMORIAL PUBLIC SCHOOL
BALGANGA, ARERAJ ROAD, MOTIHARI
Contact No.- 9939047109, 9431203674

लूट की झूठी कहानी रचने वाला फाइनेंस कर्मी गिरफ्तार,रुपया और बैग बरामद

मोतिहारी। जिले के संग्रामपुर थाना पुलिस ने लूट की झूठी कहानी रचने वाला फाइनेंस कंपनी के एक कलेक्शन एजेंट को गिरफ्तार किया है।साथ ही पुलिस ने रुपया और बैग को उसके मौसेरी बहन के घर से बरामद किया है।पकड़े गये चैतन्य फाइनेंस कंपनी का कलेक्शन एजेंट हरसिद्धि के यादवपुर का राजकुमार बताया गया है।

अरेराज डीएसपी रंजन कुमार ने बताया कि सोमवार को दोपहर में चैतन्य फाइनेंस के एक कलेक्शन एजेंट राजकुमार की ओर से सूचना दिया गया कि कलेक्शन कर लौटने के दौरान भवानीपुर के पास धक्का मारकर कलेक्शन का 48 हज़ार रुपया लूट लिया गया। इस मामले में संग्रामपुर थानाध्यक्ष ने कलेक्शन एजेंट के आवेदन पर प्राथमिकी दर्ज करते हुए इसकी सूचना वरीय पदाधिकारी को दी।सूचना के आलोक में सर्किल इंस्पेक्टर कृष्ण कुमार गुप्ता के नेतृत्व में संग्रामपुर थानाध्यक्ष धीरज कुमार व अन्य पुलिस अधिकारी का एसआईटी टीम का गठन किया गया। टीम ने कलेक्शन एजेंट द्वारा बताए गए दो बाइक सवार अपराधियो द्वारा घटना को अंजाम देने की वैज्ञानिक व तकनीकी तरीके से अनुसंधान किया। साथ ही एजेंट द्वारा बताए गए मार्ग में लगे करीब आधा दर्जन सीसीटीवी की भी जांच की गयी।

विश्व गौरैया दिवस पर डायट में लगाया घोसला व पौधें

मोतिहारी। विश्व गौरैया दिवस के मौके पर जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) छतौनी में गौरैया का घोसला, तीन आम का पौधा व एक जामुन का पौधा लगाया गया। गौरैया एक घरेलू पक्षी हैं जो मानव के साथ रहना अधिक पसंद करते हैं। वे समूह में रहना अधिक पसंद करते हैं।

भारतीय लोग ऐसा मानते हैं कि जिस घर में गौरैया अपना घोसला बनाती हैं वहाँ सुख,समृद्धि व खुशहाली आ जाती हैं। वह अनाज के साथ छोटे-छोटे कीट फतिंगों का अपना भोजन बनाती हैं और फसलों को सुरक्षित रखने में हमारी मदद करती हैं। गौरैया को सबसे अधिक नुकसान मोबाईल टावर से

निकलने वाले रेडिएशन से नुकसान होता हैं जिससे इनका प्रजनन तंत्र बुरी तरह से प्रभावित होता हैं। हम सबकों इसके संरक्षण के लिए प्रयास करने की आवश्यकता हैं। गर्मी के दिनों में इसके लिए हमें अपनी छतों पर साफ पानी व दाना रखना चाहिए।

इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण के लिए शिक्षा विभाग के कार्यक्रम पदाधिकारी कुमार अभिजीत, प्रियदर्शी सौरभ व पर्यावरण प्रेमी मदनाकर कुमार ने संयुक्त रूप से डायट प्रांगण में पौधरोपण किया।

पौधें न सिर्फ मनुष्य के लिए बल्कि पशु-पक्षियों के लिए वरदान होते हैं। हम सबकों अधिक से अधिक मात्रा में पेड़-पौधे लगाना चाहिए ताकि हमें शुद्ध ऑक्सीजन के साथ फल व छाया भी मिल सकें। इस मौके पर डायट के प्राचार्य शरद जैन, मो0 नूर आलम, सुजीत कुमार, गीता कुमारी, मुकेश कुमार, केशव कुमार आदि मौजूद थे।

चीं चीं कर संझापराती गाने वाली शुभलक्षणी गौरैया पधारों हमारे घर पर हुआ कार्यक्रम

बगहा। विश्व गौरैया दिवस पर नैतिक जागरण मंच वेलफेयर ट्रस्ट के तत्वावधान में कोआपरेटिव कोचिंग सेंटर नारायणपुर बगहा-2 के प्रांगण में बुधवार को एक कार्यक्रम का आयोजन हुआ, जिसमें दर्जनभर बच्चों ने अपने द्वारा बनाए गए घोंसला और उसमें पक्षियों की उपस्थिति का चित्र बनाकर लोगों को पंक्षी संरक्षण का संदेश दिया।

कार्यक्रम में बगहा न्यायालय के एसीजेएम गोरखनाथ दुबे को घोसला और गौरैया संरक्षण का चित्र तथा इलाहाबादी अमरूद का पौधा नैतिक जागरण मंच वेलफेयर ट्रस्ट के द्वारा भेंट किया गया।

पर्यावरण संरक्षण की प्रस्तुति में अच्छा करने वाले बच्चों को कलम देकर मंच ने सम्मानित किया। कार्यक्रम के वक्तव्य में यह बात सामने आई की गौरैया एक साधारण पक्षी नहीं ,बल्कि हम सभी के साथ रहने वाली हमारी सबसे बड़ी मित्र है। मौके पर वरीय पत्रकार माधवेंद्र पांडेय और नैतिक जागरण मंच वेलफेयर ट्रस्ट के महासचिव निप्पू पाठक की उपस्थिति रही।

वहीं दूसरी ओर वाल्मीकि व्याघ्र परियोजना वन प्रमंडल 2 के वाल्मीकिनगर वन क्षेत्र से सटे नदी घाटी योजना उच्चतर विद्यालय में विश्व गौरैया दिवस के अवसर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन वन विभाग के द्वारा किया गया।कार्यक्रम के आयोजन के अवसर पर विलुप्त हो रहे राजकिय पक्षी गौरैया चिड़िया के संरक्षण और विशेषता के बारे में बच्चों और उपस्थित ग्रामीण को जागरूक किया गया।

इस मौके पर मौजूद वाल्मीकिनगर रेंजर राजकुमार पासवान ने छात्र छात्राओं को विलुप्त हो रहे गौरैया चिड़िया के संरक्षण के बारे में विस्तार से जानकारी उपलब्ध कराई।साथ ही बच्चों को बताया कि गौरैया कैसे पर्यावरण संरक्षण में अपनी अहम भूमिका निभाती है।गौरैया चिड़िया आज विलोपन के कगार पर है,इसका संरक्षण जरूरी है।यह पर्यावरण संरक्षण में अहम भूमिका निभाती है।साथ ही बच्चों को अपने आस पड़ोस के लोगों को गौरैया चिड़िया के संरक्षण के बाबत जागरूक करने के लिए प्रेरित किया गया।

इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक मंतोष कुमार शारदा,वनरक्षी गजेंद्र कुमार,सुनील कुमार, ओम प्रकाश कुमार सिंह,प्रिंस कुमार सहित अन्य शिक्षक,वनकर्मी और छात्र छात्रा मौंजूद रहें।

पन्द्रह घंटे के बाद परिचालन शुरू

बेतिया। पश्चिमी चंपारण जिले के बगहा में मंगलवार की रात सेना का साजो सामान ले जा रही मालगाड़ी के पटरी से उतरने के कारण दर्जनों रेलगाड़ियों का मार्ग परिवर्तित किया गया था। रेल अधिकारियों के मुताबिक ओवरलोडिंग की वजह से यह हादसा हुआ है। दर्जनों रेलगाड़ियों का रूट बदलने से यात्रियों को खासा परेशानी हो रही थी।बतादें,बगहा में ओल्ड डाइमेंशनल कंसाइनमेंट यानी ओडीसी ले जा रही सेना की मालगाड़ी मंगलवार की रात डीरेल हो गई। जिसके बाद नरकटियागंज गोरखपुर रेलखंड पर रेल परिचालन बाधित हो गया। लिहाजा दर्जनों रेलगाड़ियों का रूट परिवर्तित करना पड़ा । इस बीच सुखद खबर यह है की इस घटना से ना तो रेल संपत्ति को नुकसान पहुंचा है और ना हीं सेना के जवानों को। लेकिन आम रेल यात्रियों को काफी परेशानी झेलना पड़ा है। बतातें चलें कि

घटना के बाद से हीं रेल अधिकारियों के अथक परिश्रम के बाद परिचालन को शीघ्र शुरू करने की कवायद में जुटे अधिकारियों को सफलता मिली हैं। बुधवार की सुबह समस्तीपुर रेलमंडल के डीआरएम विनय कुमार श्रीवास्तव भी पहुंचे और स्थिति का जायजा लेने के बाद बताया की आज दोपहर से रेल परिचालन सुचारू रूप से शुरू कर दिया गया है। उन्होंने बताया की जांच करने के बाद प्रथम दृष्टया यहीं संभावना जताई जा रही है की ओवरलोडिंग के कारण यह घटना हुई है। क्योंकि ओडीसी ले जा रही मालगाड़ी पर मानक के हिसाब से सेना के वाहन नहीं लदे हुए हैं। परिचालन शुरू होते ही डिरेल हुई आर्मी स्पेशल ट्रेन को सुरक्षित रवाना किया गया।

महात्मा गांधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय में दो दिवसीय गणितीय विज्ञान में सम्मेलन का आयोजन

मोतिहारी। महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय में गणित विभाग के द्वारा दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन दिनांक किया गया. इस सम्मेलन में देश एवं विदेश के प्रसिद्ध गणितज्ञ प्रो. लीना मल्लोज़ज़ी (यूनिवर्सिटी ऑफ़ नैप्लस II)(इटली), प्रो.राम एन. महापात्र, यूनिवर्सिटी ऑफ सेंट्रल फ्लोरिडा ऑरलैंडो, (यूएसए), प्रो. पेरी रेने मार्कल (फ्रांस), (ऑनलाइन माध्यम), प्रो. के. सी. सिन्हा (कुलपति, नालंदा खुला विश्वविद्यालय), प्रो. आर. के. उपाध्याय (आई. आई. टी. धनबाद), प्रो. बी. तिवारी (बी.एच.यू.), प्रो. एस0 मुखोपाध्याय (आई. आई.टी.बी.एच.यू.), प्रो. ओम. प्रकाश (आई. आई. टी. पटना), प्रो. रौशन कुमार (सी. यु. एस. बी.) एवं प्रो. गोपाल दत्त (दिल्ली विश्वविद्यालय), राजकुमार शुक्ला सभागार में उपस्थित रहें. इस कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि प्रो. के. सी सिन्हा, माननीय कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव एवं सम्मेलन के अध्यक्ष

ने माता सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन करके की गई. उसके बाद गणित विभागाध्यक्ष एवं सम्मेलन के अध्यक्ष प्रो. देवदत्त चतुर्वेदी ने सभी गणितज्ञों एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया और बताया कि इस सम्मेलन में 70 से अधिक शोधार्थीयों ने पंजीकरण कराया है जो अपने शोध कार्यों को प्रस्तुत करेंगे. कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने अपने अभिभाषण में गणितीय शोध और उसके व्यवहारिक अनुप्रयोगों के सहयोगी प्रयासों की महत्ता पर जोर दिया. मुख्य अतिथि प्रोफेसर के. सी. सिन्हा ने विभिन्न विषयों के सैद्धांतिक समस्याओं को गणितीय अवधारणा के द्वारा समाधान के लिए प्रेरित किया।

केविवि के तीन छात्रों को सालाना 1125000 लाख रुपए के पैकेज पर मिली नौकरी

बीएनएम@मोतिहारी

महात्मा गांधी केंद्रीय विवि में अध्ययनरत विद्यार्थियों को लगातार शानदार प्लेसमेंट मिल रहा। इस कड़ी में प्रबंधन विज्ञान विभाग में फोर्थ सेमेस्टर में अध्ययनरत जनप्रिय, आशीष व नवीन को प्रतिष्ठित कंपनी 'उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक' में नियुक्ति मिली है। कंपनी में तीनों विद्यार्थियों का सालाना पैकेज 1125000 रूपए होगा।

यह जानकारी प्रबंधन विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. प्रो. पवनेश कुमार ने दी। उन्होंने बताया कि तीनों विद्यार्थियों को कंपनी ने नियुक्ति पत्र सौंप दिया है। साथ ही कार्य स्थल की भी घोषणा कर दी है। कंपनी में जनप्रिय का कार्य स्थल कहलगांव होगा। वहीं आशीष कंपनी की पटना ईकाई में कार्य करेंगे। जबकि, नवीन कुमार का कार्य स्थल पूर्णिया

होगा। उन्होंने उम्मीद जाहिर की है कि आगे भी विवि में अध्ययनरत विद्यार्थियों का शानदार प्लेसमेंट हासिल करने का सिलसिला जारी रहेगा। लगातार एक साथ तीन विद्यार्थियों को प्रतिष्ठित कंपनी में मिली नियुक्ति पर महात्मा गांधी केंद्रीय विवि के कुलपति संजय श्रीवास्तव ने खुशी जाहिर की और कहा कि प्रबंधन विज्ञान विभाग के अध्यापक अपने विद्यार्थियों को इस ढंग से प्रशिक्षित कर रहे हैं कि कठोर प्रतियोगिता के इस दौर में भी हमारे विद्यार्थी लगातार प्लेसमेंट पा रहे हैं। उन्होंने विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना की है। प्रबंधन विज्ञान विभाग की प्रो. डॉ. सपना, प्रो. अरुण कुमार, प्रो. अलका ललहाल, प्रो. शिशिर मिश्रा, जनसंपर्क अधिकारी शेफालिका मिश्रा आदि ने बधाई दी है।

यूरिया खाद के साथ आठ साइकिल जब्त

मोतिहारी। एसएसबी 71 वी वाहिनी बरहरवा पोस्ट के कमांडेंट चन्दन सिंह के नेतृत्व में बुधवार की सुबह जवानो ने गश्ती के दौरान बलुआ गांव के पिलर संख्या 361/24 के समीप 27 बोरा यूरिया खाद और आठ साइकिल को जब्त किया है। जबकि एसएसबी जवानो को देख तस्कर खाद और साइकिल छोड़ कर भाग निकले। एसएसबी ने जब्त खाद व साइकिल को मोतिहारी कस्टम को सौप दिया है। उक्त जानकारी एसएसबी 71वी वाहिनी के कम्पनी कमांडेंट प्रफुल्ल कुमार ने देते हुए बताया कि सीमा पर खाद तस्करी को लेकर एसएसबी जवानो को विशेष निर्देश दिया गया है।

गौरैया संरक्षण दिवस पर छात्रों को किया जागरूक

बेतिया। बगहा के वाल्मीकि टाइगर रिजर्व स्थित वन प्रमंडल 2 के वाल्मीकिनगर वन क्षेत्र से सटे नदी घाटी योजना उच्चतर विद्यालय में विश्व गौरैया दिवस के अवसर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन वन विभाग के द्वारा किया गया।कार्यक्रम के आयोजन के अवसर पर विलुप्त हो रहे राजकिय पक्षी गौरैया चिड़िया के संरक्षण और विशेषता के बारे में बच्चों और उपस्थित ग्रामीण को जागरूक किया गया।इस मौके पर मौजूद वाल्मीकिनगर रेंजर राजकुमार पासवान ने छात्र छात्राओं को विलुप्त हो रहे गौरैया चिड़िया के संरक्षण के

बारे में विस्तार से जानकारी उपलब्ध कराई।साथ ही बच्चों को बताया कि गौरैया कैसे पर्यावरण संरक्षण में अपनी अहम भूमिका निभाती है।गौरैया चिड़िया आज विलोपन के कगार पर है,इसका संरक्षण जरूरी है।यह पर्यावरण संरक्षण में अहम भूमिका निभाती है।साथ ही गौरैया के लिए कृत्रिम घोंसला अपने घर पर बनाने के लिए प्रेरित किया गया,ताकि गौरैया के संरक्षण में मदद मिल सके।साथ ही बच्चों को अपने आस पड़ोस के लोगों को गौरैया चिड़िया के संरक्षण के बाबत जागरूक करने के लिए प्रेरित किया गया।इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक मंतोष कुमार शारदा, वनरक्षी गजेंद्र कुमार, सुनील कुमार, ओम प्रकाश कुमार सिंह, प्रिंस कुमार सहित अन्य शिक्षक, वनकर्मी और छात्र छात्रा मौजूद रहे।

मौसम के करवट लेने से जनजीवन प्रभावित गेंहूँ के फसल को नुकसान

बेतिया।पश्चिमी चंपारण जिले में बुधवार को अचानक मौसम ने करवट लिया और तकरीबन सुबह 9 बजे से बारिश हो रही है। तेज गर्जन और वज्रपात होने से आम जनजीवन प्रभावित हुआ है। मौसम विभाग ने पूर्व में हीं मौसम बदलने को लेकर अंदेशा जारी किया था। मौसम विभाग ने पूर्वानुमान लगाया था की उत्तर बिहार के इलाकों में 20 और 21 मार्च को बारिश, वज्रपात और ओलावृष्टि हो सकती है। बगहा में बारिश और वज्रपात होने के बाद किसानों के चेहरे से खुशियां गायब हो गई है। किसान डरे सहमे हुए हैं की कहीं बारिश और वज्रपात के साथ ओलावृष्टि न हो जाए। यदि ओलावृष्टि होती है तो पकने के कगार पर पहुंचे गेंहू की फसल काफी प्रभावित होगी और उत्पादन पर असर पड़ेगा। क्योंकि इलाके में इस बार गेंहू की बंपर पैदावार हुई है। बतादें की तेज हवा भी चल रही है जिससे गेंहू की फसल पर असर पड़ रहा है लिहाजा किसानों की चिंता बढ़ गई है।

मानव तस्कर से नाबालिग को कराया मुक्त

रक्सौल। रक्सौल मानव तस्करी रोधी ईकाई 47वीं वाहिनी ने 15 वर्षीय नेपाली नाबालिग लड़की को मानव तस्कर से मुक्त कराया है,साथ ही मानव तस्कर इम्तियाज मियां को गिरफ्तार किया है।

इसकी जानकारी देते हुए इंस्पेक्टर ममोज शर्मा ने बताया कि गुप्त सूचना मिली कि नेपाल की नाबालिग लड़की को लेकर मानव तस्कर रक्सौल होकर निकलने वाले है, जिसके बाद एएचटीयू टीम ने सतर्कता बरती गयी।इसी बीच हुए एक व्यक्ति के साथ एक नाबालिग लड़की जाती दिखी,जिसे संदेह पर रोक गया और पूछताछ की गयी तो तब व्यक्ति ने बताया कि उसका नाम मोहम्मद इम्तियाज़ मियाँ व उम्र 28 वर्ष है।

वह नेपाल में रतनपुर घोराई जिला पर्सा नेपाल का रहने वाला है।उसके पहले से ही एक बीवी और तीन बच्चे हैं। वह ट्रेक्टर या किसी भी प्रकार की मजदूरी कर के जीवन यापन करता है।

वह नाबालिग लड़की अंजली कुमारी के गावं में मजदूरी के लिए गया था। जहां उसने प्रयास कर अंजली से दोस्ती किया। और अपना नाम वीरेन्द्र बताकर लड़की को मंदिर में ले जाकर सिन्दूर लगा दिया।

वही लड़की ने बताया कि उसने पहले अपने को हिन्दू बताया फिर बाद में बताया कि वह मुस्लिम है और पहले से शादीशुदा है।उसको तीन बेटी भी है। फिर उसे इस्लाम के बारे में समझाया जिसका वह अनुकरण करने लगी। इसबीच वह अपनी पहली बीबी से भी मिलवाया। उसकी बीबी ने उससे कहा कि दोनों मिल कर साथ रह कर घर चलाएंगे।

लड़की के घर वालों से बात कि गयी तब उन्होंने बताया उनकी लड़की को कोई अनजान मजदूर व्यक्ति बहला फुसला कर भगा ले गया है और इस सन्दर्भ में नेपाल पुलिस में प्राथमिकी अंकित भी करवाई गयी थी।उन लोगो ने लड़की हमेशा के लिए खोया हुआ मान लिए थे। एएचटीयू टीम ने नाबालिग लड़की और तस्कर नेपाल के वीरगंज इनरवा पुलिस चौकी को सौंप दिया है। रेस्क्यू ओपरेशन में इंस्पेक्टर मनोज कुमार शर्मा, सहायक उपनिरीक्षक अनिल कुमार शर्मा व हवलदार अरविन्द द्विवेदी सहित एसएसबी के अन्य जवान शामिल रहे।

समादेष्टा ने महिला स्वाभिमान बटालियन में हो रहे निर्माण कार्यों का लिया जायजा

बेतिया। बगहा पुलिस जिला के वाल्मीकिनगर स्थित महिला स्वाभिमान बटालियन का निरीक्षण करने पहुंचे नवागत समादेष्टा मिथिलेश कुमार । मिथिलेश कुमार ने बुधवार की दोपहर महिला स्वाभिमान बटालियन पहुंचकर बटालियन परिसर में हो रहे निर्माण कार्य का जाएजा लिया।

लोकसभा चुनाव को लेकर सुरक्षा व्यवस्था के बाबत पूछे जाने पर श्री कुमार ने बताया कि स्वाभिमान बटालियन विशेष सशस्त्र बल को विभागीय आदेश से चुनाव के दौरान लोकसभा चुनाव में शांतिपूर्ण और निष्पक्ष मतदान प्रक्रिया को संपादित कराने की जिम्मेदारी प्राप्त हुई है ।इस उद्देश्य से चार कंपनियों की तैनाती सुनिश्चित की जाएगी ।जिसमें मुजफ्फरपुर ,मोतिहारी, दरभंगा और वाल्मीकिनगर की कंपनी शामिल होगी।

इसके लिए बल के महिला जवानों को भौतिक स्तर पर और जूम एप के माध्यम से शारीरिक और मानसिक रूप से पुरी तरह प्रशिक्षित किया जा रहा है।

चुनाव के दौरान ड्यूटी पर तैनात किसी भी बल के द्वारा चुनाव आयोग के किसी भी गाइडलाइन का उल्लंघन होने की स्थिति में विभागीय करवाई के साथ बर्खास्तगी की करवाई निश्चित रूप से की जाएगी। शारीरिक और मानसिक प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद बल को चिन्हित स्थल पर तैनात किया जाएगा। इस प्रशिक्षण से बल को हथियारों के उपयोग कैसे और किस परिस्थिति में करनी है के लिए शारीरिक और मानसिक रूप से प्रशिक्षण के माध्यम से तैयार किया जा रहा है।

इस अवसर पर डीएसपी रंजीत कुमार और ममता प्रसाद के अलावा अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

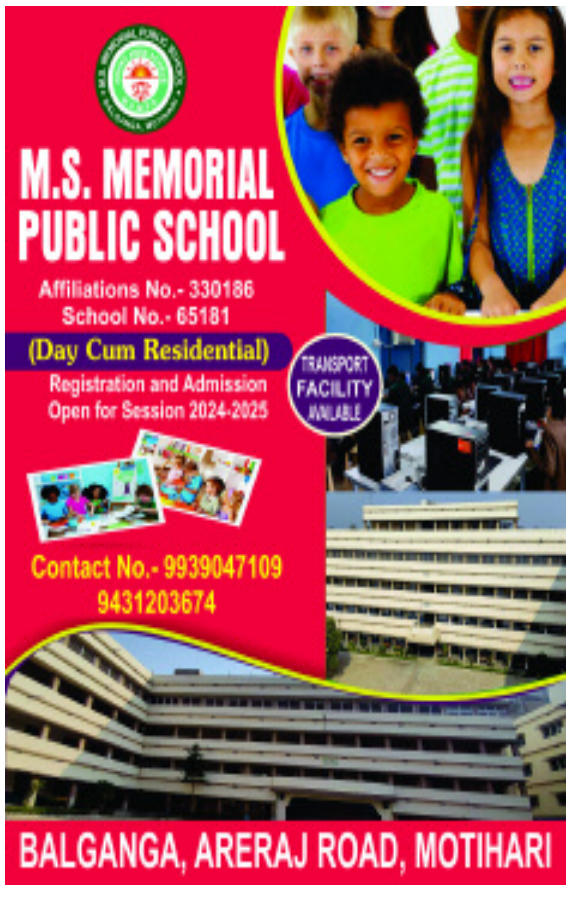

नगर निगम के 3.17 लाख में बस स्टेंड के केंटीन की बंदोबस्ती

आगामी 23 मार्च को निगम कार्यालय परिसर में विभाग से निर्धारित प्रक्रिया के तहत की जायेगी बंदोबस्ती

बेतिया। बेतियानगर निगम की महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने बताया कि वर्ष 2024 - 25 के लिए बंदोबस्ती से बचे कुल 19 सैरातो के लिए बुधवार को नगर निगम कार्यालय में खुली बोली लगाई गई। तीसरी बार निर्धारित तिथि को भी कुल दो सैरातों के तीन तीन दावेदार बोली लगाने में शामिल रहे।नगर निगम के न्यू हरिवाटिका बस स्टैंड कैंटीन बंदोबस्ती 3,17,800 की अधिकत्तम बोली लगाने वाले नसीम अहमद की अगुवाई वाले सिटी ग्रुप के वसीम खान बस स्टैंड कैंटीन बंदोबस्ती लेने में सफल रहे। महापौर श्रीमती सिकारिया ने बताया कि बस स्टेंड केंटीन की सुरक्षित जमा राशि 1,61939 निर्धारित थी। महापौर ने बताया कि नगर निगम क्षेत्र के बसवरिया वार्ड 21 में अवस्थित पक्की बावली के दक्षिण नदी के किनारे स्थित 11241 सुरक्षित जमा वाली खेती योग्य भूमि 16,100 की अधिकत्तम बोली लगाने वाले बढ़ई टोला के दिलीप कुमार शर्मा को वर्ष 2024 - 25 के लिए बंदोबस्ती की गई।

महापौर श्रीमती सिकारिया ने बताया कि आगामी वित्तीय वर्षवर्ष 2024 - 25 के लिए बाकी बचे नगर निगम क्षेत्र के कुल 19 सैरातों की बंदोबस्ती प्रक्रिया अब। 23 मार्च शुक्रवार को नगर निगम कार्यालय परिसर में विभाग से निर्धारित प्रक्रिया के तहत पूरी की जायेगी। महापौर गरिमा देवी सिकारिया की अध्यक्षता में संपन्न बंदोबस्ती प्रक्रिया में नगर आयुक्त शंभू कुमार, पार्षद मनोज कुमार, दीपक कुमार, रोहित सिकारिया, शकीला खातून, अफरीना खातून, प्रधान सहायक और अन्य शामिल रहे।

पहली बार मतदाता बने युवाओं की लोकतंत्र के उत्सव में बड़ी भूमिका

नीरज चोपड़ा

प्रधानमंत्री की अपील के जवाब में, इंस्टाग्राम, यू-ट्यूब और मनोरंजन उद्योग सहित विभिन्न प्लेटफार्मों के प्रभावशाली लोग सक्रिय रूप से इस अभियान का समर्थन कर रहे हैं और पहली बार मतदाता बने युवाओं को प्रेरित कर रहे हैं। देश के कोने-कोने से खेल, मनोरंजन, व्यापार और उद्योग जैसे क्षेत्रों में अपनी छाप छोड़ने वाले प्रमुख नाम इस संदेश को दूर-दूर तक फैलाने के लिए एक साथ आए हैं।

खिलाड़ी अपने समर्पण, दृढ़ता और टीम भावना के माध्यम से देश की सेवा करते हैं। चाहे घरेलू मैदान हो या विदेशी, देश की जर्सी पहनना एक विशेषाधिकार और जिम्मेदारी दोनों है। लेकिन दुनिया के सबसे जीवंत लोकतंत्र के एक अभिन्न अंग के रूप में हम खिलाड़ी और युवा भारतीय एक और विशेषाधिकार की आकांक्षा करते हैं-वह है मतदान। चुनाव लोकतंत्र का आधार होता हैं, जो नागरिकों को अपने प्रतिनिधियों को चुनने का महत्वपूर्ण अधिकार देता है। हालांकि, यह अधिकार निष्क्रिय नहीं है, चुनावी प्रक्रिया में सक्रिय रूप से शामिल होना एक कर्तव्य है, विशेषकर युवाओं का। ऐतिहासिक रूप से, युवाओं ने सामाजिक परिवर्तन का नेतृत्व किया है और चुनावों में उनकी भागीदारी महत्वपूर्ण है। लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए, मतदाता पंजीकरण से लेकर जमीनी स्तर पर प्रचार अभियान तक के प्रत्येक चरण में युवाओं की सक्रिय भागीदारी की आवश्यकता होती है।

पहली बार के मतदाता नए दृष्टिकोण के साथ पारदर्शिता और समावेश जैसे आदर्श लेकर आते हैं। एक युवा मतदाता की ऊर्जा और तकनीक-प्रेमी प्रकृति, चुनावी परिदृश्य को जीवंत बनाती है तथा नागरिकों की जरूरतों के अनुरूप पहुंच और उत्तरदायित्व को बढ़ावा देती है। युवा निर्वाचित प्रतिनिधियों को जवाबदेह बनाने एवं जनता से जुड़े मुद्दों का समर्थन करने व आवाज उठाने के लिए सोशल मीडिया का उपयोग करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं तथा इस प्रकार लोकतंत्र के महत्व और इसके प्रति निष्ठा की रक्षा करते हैं। महात्मा गांधी के शब्दों में, 'भविष्य इस पर निर्भर करता है कि आप आज क्या करते हैं।' लोकतंत्र का पहिया एक बार फिर से घूम रहा है, भारत में आम चुनाव, 2024 की तैयारी चल रही है, ऐसे में राष्ट्र के भाग्य को स्वरूप देने में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया जाना जरूरी है। अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने चुनावी प्रक्रिया में युवाओं की सहभागिता के महत्व पर जोर दिया और पहली बार मतदाता बने युवाओं के लिए लक्षित निर्वाचन आयोग के 'मेरा पहला वोट देश के लिए' अभियान के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने भारत के युवाओं के जोश और उत्साह की सराहना की तथा उनसे सक्रिय रूप से मतदान में भाग लेने की अपील की क्योंकि देश के भविष्य पर इसका प्रत्यक्ष प्रभाव पड़ता है।

पहली बार मतदाता बने युवाओं से रिकॉर्ड संख्या में भाग लेने की अपील करते हुए, उन्होंने देश की नियति को आकार देने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका पर बल दिया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने विभिन्न सेक्टरों से जुड़े प्रभावशाली लोगों से अभियान में शामिल होने तथा सामाजिक बदलाव को प्रेरित करने में उनकी प्रभावी भूमिका को स्वीकार करते हुए युवा मतदाताओं को प्रोत्साहित करने की अपील की। चुनावी माहौल के बीच, उन्होंने युवाओं से न केवल राजनीतिक कार्यकलापों में भाग लेने का आग्रह किया बल्कि वर्तमान में जारी चचाओं और बहसों के बारे में भी जानकारी रखने की अपील की।

भारतीय निर्वाचन आयोग चुनावों में युवाओं की सार्वजनिक प्रबुद्ध सहभागिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'मेरा पहला वोट देश के लिए' अभियान चला रहा है। केंद्रीय मंत्री श्री अनुराग ठाकुर ने अभियान गीत लॉन्च किया जो युवा मतदाताओं को उनके लोकतांत्रिक अधिकार का उपयोग करने के लिए उन्हें प्रोत्साहित करने की देश की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। यह अभियान गीत मतदाता जागरूकता अभियान का एक हिस्सा है जो चुनावी प्रक्रिया में युवाओं की अधिक से अधिक भागीदारी के लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी की अपील की भावना का प्रतीक है। देश भर के युवा इस अभियान गीत को अपने युवा मित्रों को मतदान करने के लिए प्रोत्साहित करने के आह्वान के रूप में अपना रहे हैं।

इस पहल के तहत उच्च शिक्षा संस्थान (एचईआई) देश भर में मतदाता जागरूकता कार्यकलापों का आयोजन कर रहे हैं और अधिक प्रतिनिधि लोकतंत्र के लिए मतदान करने के मूल्य पर जोर दे रहे हैं। जहां उच्च शिक्षा संस्थान वास्तविक कार्यक्रमों का आयोजन कर रहे हैं, ऑनलाइन प्रतियोगिताएं भी माईगव प्लेटफॉर्म पर आयोजित की जा रही हैं जिनमें ब्लॉग लेखन, पॉडकास्ट, वाद-विवाद आदि का आयोजन किया जा रहा है जिससे कि कंटेंट सृजन में रचनात्मकता को प्रोत्साहित किया जा सके। कार्यशालाएं, संगोष्ठियां, फ्लैश मौब्स तथा मतदाता संकल्प अभियान छात्रों को चुनावी प्रक्रिया की तरफ और अधिक आकर्षित कर रहे हैं तथा इन्हें इसके बारे में शिक्षित कर रहे हैं जिसमें एनएसएस स्वयंसेवक तथा संस्थान के क्लब सक्रिय रूप से अभियान में हिस्सा ले रहे हैं।

प्रधानमंत्री की अपील के जवाब में, इंस्टाग्राम, यू-ट्यूब और मनोरंजन उद्योग सहित विभिन्न प्लेटफार्मों के प्रभावशाली लोग सक्रिय रूप से इस अभियान का समर्थन कर रहे हैं और पहली बार मतदाता बने युवाओं को प्रेरित कर रहे हैं। देश के कोने-कोने से खेल, मनोरंजन, व्यापार और उद्योग जैसे क्षेत्रों में अपनी छाप छोड़ने वाले प्रमुख नाम इस संदेश को दूर-दूर तक फैलाने के लिए एक साथ आए हैं। इस अभियान में जसप्रीत बुमराह, रविचंद्रन अश्विन, मोहम्मद सिराज, अवनि लेखारा, सैखोम मीराबाई चानू जैसे मेरे साथी खिलाड़ी और अनिल कपूर, प्रोसेनजीत चटर्जी, रवीना टंडन, राणा डूग्गुबाती, कैलाश खेर, श्रेया घोषाल जैसी फिल्मी हस्तियां व रितेश अग्रवाल, बी. वी. आर. मोहन रेड्डी जैसे उद्योग जगत के अगुआ और कई पद्म पुरस्कार विजेताओं ने भाग लिया है, जिससे यह अभियान मतदाता जागरुकता का एक 'राष्ट्रीय आंदोलन' बन गया है। यह 'जन आंदोलन' युवाओं की आवाज की सामूहिक शक्ति और देश के लोकतांत्रिक परिदृश्य को आकार देने में उनकी सक्रिय भागीदारी के महत्व को रेखांकित करता है। आइए हम इस जिम्मेदारी को उठाने और अपनी सामूहिक आवाज की ताकत का उत्सव मनाने के लिए एकजुट हों। आइए हम इस चुनौती को स्वीकार करें, आइए हम अपनी आवाज उठायें और आइए हम दूसरों को भी ऐसा करने के लिए सशक्त बनायें। एक एथलीट के रूप में, हम ट्रैक और फील्ड के चैंपियन हैं; लेकिन एक युवा के रूप में, हम 'परिवर्तन के वाहक' हैं। लोकतंत्र के खेल में, हर वोट का महत्व होता है और हर आवाज मायने रखती है।

(लेखक, भारतीय ट्रैक, फील्ड एथलीट और पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा के मौजूदा ओलंपिक एवं विश्व चैंपियन हैं। यह उनके व्यक्तिगत विचार हैं।)

संपादकीय

काम कर गए कोविंद

रामनाथ कोविंद कमेटी ने ह्यएक देश, एक चुनावह्व पर अपनी सिफारिश राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सौंप दी है। पिछले साल 2 सितम्बर को पूर्व राष्ट्रपति कोविंद की अगुवाई में एक ताकतवर पैनल बनाया गया था। गृहमंत्री अमित शाह भी इसके हिस्सा थे। तभी साफ हो गया था कि नरेन्द्र मोदी सरकार ह्यएक देश, एक चुनावह्व पर हर हाल में आगे बढ़ना चाहती है। तर्क यह है इससे साल दर साल देश के किसी न किसी हिस्से में होने वाले चुनाव, इसका बेतहाशा खर्च, आचार संहिता से प्रभावित होने वाले सरकार के अन्य नीतिगत फैसले और सुरक्षा एजेंसियों के लंबे समय तक इंगेज के नुकसान आदि से छुटकारा मिल जाएगा। बचे संसाधन एवं ताकत का इस्तेमाल विकास के कामों में किया जा सकेगा। इन तथ्यों को मानते हुए छोटे दल ह्यएक चुनावह्व पर सहमत नहीं थे तो देश के संघीय ढांचे पर पड़ने वाले चोट की वजह से। उन्हें डर है कि इससे उनकी विधायी एवं संसदीय प्रतिनिधित्व का नुकसान होगा, जो अलग चुनाव में बना रहता आया है। पर यह डर फिजूल है क्योंकि 1967 से इसी व्यवस्था में छोटे दलों का कुछेक राज्यों में सत्ता थी। कोविंद की टीम ने इन मतभेदों और आलोचनाओं का बहुमत के आधार पर हल करने की कोशिश की है। फिर तो माना जाए कि इसे आसानी से लागू कर लिया जाएगा। नहीं, इसके लिए संविधान में संशोधन करना होगा। पहले चरण में लोक सभा और सभी विधानसभा चुनाव साथ कराएं जाएंगे और इसके लिए राज्यों से मंजूरी की जरूरत नहीं होगी। संविधान संशोधन के दूसरे चरण में लोक सभा, विधानसभा के साथ स्थानीय निकाय चुनाव हों। कोविंद कमेटी की ये भी सिफारिश है कि तीन स्तरीय चुनाव के लिए एक मतदाता सूची, फोटो पहचान पत्र जरूरी होगा। इसके लिए संविधान के अनुच्छेद 325 में संशोधन की जरूरत होगी, जिसमें कम से कम आधे राज्यों की मंजूरी चाहिए। साथ ही मध्यावधि चुनाव के बाद गठित होने वाली लोक सभा या विधानसभा का कार्यकाल उतना ही होगा, जितना लोक सभा का बचा हुआ कार्यकाल रहेगा। 32 राजनीतिक दल तो एक साथ सारे चुनावों के पक्ष में हैं, लेकिन कांग्रेस और टीएमसी समेत 15 दल इससे सहमत नहीं हैं। लोकतंत्र बहुमत से चलता है, फिर भी अधिकतम को साधने का प्रयास करना चाहिए।

चिंतन-मनन

ईश्वर को पाने के लिए प्रेम मार्ग से गुजरना होगा

प्रेम शक्ति भी है और आसक्ति भी। जब व्यक्ति का प्रेम कामना रहित होता है तो यह शक्ति होती है और जब प्रेम में किसी चीज को पाने का लोभ रहता है तो यह आसक्ति बन जाती है। सच्चा प्रेम वह होता है जो प्रेम में किसी प्रकार का लोभ और किसी चीज को पाने की कामना नहीं रखता है। ऐसा व्यक्ति प्रेम में ऐसा कमाल कर जाता है कि, बड़े से बड़े बलवान और धनवान उसके आगे घुटने टेक देते हैं। मीराबाई को दिया गया जहर असरहीन होना। ध्रुव को पहाड़ की चोटी से गिराने पर भी बच जाना, प्रह्लाह का आग के शोलों में भी मुस्कुराते हुए रहना और तुलसीदास का उफनती नदी को पार कर जाना यह प्रेम की शक्ति का उदाहरण है। संतजन कहते हैं कि जिसके हृदय में सच्चा प्रेम होता है वही व्यक्ति ईश्वर का भक्त हो सकता है। जरूरत है बस प्रेम की चाहे वह पैसे से हो, किसी स्त्री से, बच्चे से या अन्य सांसारिक वस्तुओं से।

अगर हृदय में प्रेम होगा ही नहीं तो ईश्वर क्या संसार में किसी चीज से लगाव हो ही नहीं सकता। भगवान से प्रेम करना वास्तव में उसी प्रकार है जैसा एक दिशाहीन गाड़ी को सही दिशा देना। संत श्री गोकुलनाथ जी ने कहा है कि जिसके हृदय में प्रेम का अंकुर होता है उस व्यक्ति को भक्ति की ओर प्रेरित किया जा सकता है, क्योंकि प्रेम का वृक्ष तभी उग सकता है जब प्रेम का बीज, प्रेम का अंकुर हृदय में मौजूद हो। बिना बीज के खेती भला कैसे हो सकती है।

इस संदर्भ में एक कथा है कि एक बार संत श्रीगोसाईं गोकुलनाथ जी के यहां एक धनवान व्यक्ति बहुत सारा धन लेकर शिष्य बनने की कामना से आया। गोसाईं जी ने उस व्यक्ति से पूछा कि क्या तुम्हारा कहीं किसी वस्तु पर ऐसा स्नेह है, जिसके बिना तुम्हारा मन व्याकुल हो जाता हो। उस व्यक्ति ने उत्तर दिया मेरा कहीं किसी वस्तु में तनिक भी स्नेह नहीं है। उत्तर सुनकर गोसाईं जी ने कहा कि फिर तो हम तुम्हें दीक्षा कदापि नहीं दे सकते। तुम किसी और गुरू को ढूंढ लो। भक्तिमार्ग में प्रेम ही प्रधान है। व्यक्ति का जो प्रेम संसार से होता है, दीक्षा शिक्षा से उसी को पलटकर भगवान में लगा दिया जाता है। जब तुम्हारे हृदय में कहीं प्रेम है ही नहीं तो भगवान के प्रेम से भला कैसे सराबोर हो सकते है।

चुनावों का शंखनाद और आत्मा का आर्त्तनाद

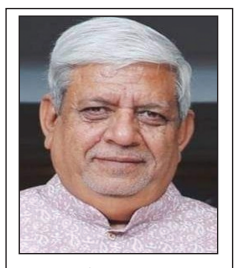

राकेश अचल

शीर्षक पढ़कर चौंकिए मत। आज देश में नए आम चुनावों के लिए शंखनाद होने से पहले ही देश के सबसे ज्यादा आत्ममुग्ध प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेंद्र मोदी का आत्मीय आर्त्तनाद भी इस देश के लोगों ने सुना। देश के सामने हालाँकि उन्हें अपनी कथित उपलब्धियों के आधार पर सिंघनाद करना चाहिए था लेकिन वे ऐसा नहीं कर पाये । वे मेघनाद जरूर करते आये है । वे जब-जब गरजे तब-तब देश ने एक नयी मुसीबत का सामना किया। लेकिन ये अतीत की बात है।

देश में आम चुनाव करने के लिए जिम्मेदार केंद्रीय चुनाव आयोग को पहले ही केंचुआ बना चुकी हमारी जाती हुई सरकार ने चुनावों की घोषणा के ठीक एक दिन पहले केंचुआ को दो चुनाव आयुक्त दिए है। इनका चयन करने वाली समिति में सरकार का ही बहुमत था । इस समिति में पहले देश के मुख्य न्यायाधीश भी हुआ करते थे ,किन्तु उनके ऊपर सरकार को यकीन नहीं था इसलिए उन्हें चयन समिति से बाहर कर दिया गया। लोकतंत्र को एकतंत्र में बदलने की ये एक छोटी सी कोशिश है ,लेकिन इसे देश की जनता जब समझे तब है। बहरहाल जब आप ये आलेख पढ़ रहे होंगे तब आपके सामने नयी लोकसभा के चुनावों का विस्तृत कार्यक्रम आ चुका होगा। देश में एक आदर्श आचार संहिता [?] लागू हो चुकी होगी। इस संहिता पर प्रश्न चिन्ह इसलिए लगाया की उसका शीलभंग हमेशा से होता आया है और आगे भी होगा ही।

बहरहाल अब गेंद जनता जिसे सम्मान के साथ जनार्दन भी कहा जाता है के पाले में आ गयी है ,लेकिन खेल के नियम उसके अपने नहीं हैं। खेल तो राजनीतिक दलों के बीच ही खेला जाएगा। वैसे इस खेल के पहले ही जो खेला होना था सो हो गया। जाती हुई सरकार को चलने वाली राजनीतिक पार्टी की आती में इस समय असंवैधानिक घोषित किये जा चुके इलेक्टोरल बांड से नंबर एक में कमाया गया 60 अरब रुपया है। देश की सबसे बड़ी अदालत ने इस अवैध तरिके से कमाए गए धन को अभी तक जब्त करने का आदेश नहीं दिया है। इस धनबल के बूते कोई भी राजनीतिक दल किसी भी आम चुनाव को उसी तरह जीत सकता है जैसे एक पके आम को चूसा जा सकता है। चुनाव में धनबल,बाहुबल और छलबल चलता है। ये तीनों संयोग से आज की सत्ता के हाथों में अकूत है ,सत्तारूढ़ दल के सामने समूचा विपक्ष विपन्न है ,लेकिन इतना भी विपन्न नहीं की मैदान छोड़कर भाग जाये।

देश की सियासत बहुचर्चित गुजरात मॉडल से होती हुई अब पुतिन मॉडल की और अग्रसर है । इसे देश का कोई कानून फिलहाल नहीं रोक सकता,किन्तु आम जनता के हाथों में अब भी मताधिकार का अमोघ अस्त्र बचा हुआ है । अब ये जनता पर है कि वो देश के मुकुट मणि को खंडित करने वालों को 370 सीटें देकर जिताये या 400 सीटें देकर देश को एक नया मोदी नहीं बल्कि पुतिन दे। ये देश गांधी के रास्ते पर चलने वाला देश है । इस देश में परिवारवाद की जड़ें गहरी हैं ,इन्हीं जड़ों में से अब मोदी परिवार ने जन्म लिया है। इस परिवार के मुखिया वैसे रणछोड़ है। उन्होंने अपने परिवार का त्याग किया। उनकी साधना अब इतनी घनीभूत हो गयी है कि वे उन्हें अपने परिवार में शामिल करने वाले संघ परिवार से भी बड़े हो गए है। वे 1975 की इंदिरा इज इंडिया की तर्ज पर मोदी इज इंडिया बन चुके हैं।

देश की जनता अंधभक्त कही जाती है किन्तु वास्तव में है नहीं। ये वो जनता है जिसने दुर्गा बना दी गयी इंदिरा गाँधी को भारत का पर्याय बनने के भ्रम को तोड़ दिया था। इस जनता से उम्मीद की जा सकती है कि वो भारत का पर्याय बनने के इस दूसरे भ्रम को भी तोड़ सकती है। जनता अगर ऐसा नहीं करती तो उसे आने वाले दिनों में सिवाय छल-प्रपंच के कुछ हासिल होने वाला नहीं है। जनता को देखना और समझना होगा कि आज दुनिया की सबसे बड़ी चन्दाखोर पार्टी की अंटी में जो पैसा है वो जनता की अंटी का है । ये पैसा स्वेच्छाअनुदान नहीं बल्कि चौथ वसूली का पैसा है। ये पैसा दानदाताओं की गर्दन पार ईडी और सीबीआई की तलवार रखकर वसूल किया गया है। जनता के हिस्से में तो दो रुपए का एक टुकड़ा आया है जबकि उसकी जेब से एक दशक में 35 से 40 रुपए अकेले पेट्रोल -डीजल के दाम बढ़कर निकाल लिए गए है।

बहरहाल अब चुनावी शंखनाद के बाद मेघनाद के आर्त्तनाद पर आते है। हमारे इस दशक के हीरो और आज की रामलीला के मेघनाद ने चुनावों की घोषणा से ठीक एक दिन पहले देश की जनता के नाम एक भावुक पत्र लिखकर कहा है कि देश की जनता जीएसटी लागू करने , धारा 370 समाप्त करने , तीन तलाक पर नया कानून, और संसद में महिलाओं के लिए नारी शक्ति बंदन अधिनियम बनाने के साथ ही नये संसद भवन का निर्माण, आतंकवाद और नक्सलवाद पर कठोर प्रहार जैसे अनेक ऐतिहासिक और बड़े फैसले लेने वाली सरकार को दोबारा चुने। इस दशक के पहले और आखरी आर्त्तनाद में कहा गया है कि - विकास और विरासत को साथ लेकर आगे बढ़ते भारत ने बीते एक दशक में जहां बुनियादी ढांचों का अभूतपूर्व निर्माण देखा, तो वहीं हमें अपनी समृद्ध सांस्कृतिक और राष्ट्रीय धरोहरों के पुनरुत्थान का साक्षी बनने का गौरव भी प्राप्त हुआ। अपनी समृद्ध संस्कृति और परंपरा को सहेजकर आगे बढ़ते देश पर आज हर देशवासी को गर्व है। निश्चित ही देश ने ये क्षण देखें हैं लेकिन इस देश ने जलता हुआ मणिपुर भी देखा है । सिसकता हुआ जम्मू-कश्मीर और लद्दाख भी देखा है । पुलिस की गोली से मरते हुए 700 से ज्यादा किसान भी देखे है। धनबल से बनती बिगड़ती सरकारें भी देखीं है। 77 सालों में सबसे ज्यादा हुआ दल-बदल और ऑपरेशन लोट्स भी देखा है। सड़कों पर बिलखती महिला पहलवान भी देखीं हैं। बिना रोजगार के सरकारी खजाने से मुफ्त का अन्न खाने पर मजबूर 80 करोड़ बेबस लोग भी देखे हैं।

कायदे से फैसला इन्हीं दो तस्वीरों के आधार पर किया जाना है। शर्त यही है कि मेरुदंड विहीन केंचुआ इस जाती हुई सरकार की कठपुतली की तरह काम न करे । जनता का काम जनता को करने दिया जाय। केंचुआ देखे कि इस समय टीवी चैनलों पर माँ से लेकर बाबा तक को मजबूत करने के फर्जी गारंटी देने वाले विज्ञापनों को रोका जाना चाहिए या नहीं ? फिलहाल हम देश में नए लोकतान्त्रिक महासमर की घोषणा का तहेदिल से स्वागत करते हैं और सभी पक्षों के प्रति अपनी शुभकामनायें प्रेषित करते हैं। हमारी शुभकामनायें किसी एक दल के लिए नहीं हैं।

चीनी रक्षा बजट : भारत को सतर्क रहना होगा

लक्ष्मी शंकर यादव

भारत व अमेरिका से लगातार चल रहे तनाव के बीच चीन ने एक बार फिर से अपने रक्षा बजट में भारी भरकम बढ़ोतरी की है। चीन ने 7.2 प्रतिशत की वृद्धि के साथ वर्श 2024 का रक्षा बजट 1.67 ट्रिलियन युआन अर्थात 232 अरब डॉलर कर दिया है। चीनी रक्षा बजट की यह वृद्धि बीते पांच सालों में सबसे ज्यादा है। चीन ने अपने वित्त मंत्रालय की सालाना रिपोर्ट के आधार पर यह दावा किया है कि वह दुनिया में अमेरिका के बाद रक्षा बजट पर सबसे अधिक खर्च करने वाला दूसरा देश है। चीन की विधायिका की वार्षिक बैठक के उद्घाटन सत्र में 5 मार्च को आधिकारिक रक्षा बजट के आंकड़े की घोषणा की गई। अनेक विदेशी विशेषज्ञों का मानना है कि यह धनराशि सत्तासीन कम्युनिस्ट पार्टी की सैन्य शाखा पीपुल्स लिबरेशन आर्मी द्वारा किए गए खर्च का केवल एक अंश है।

232 अरब डॉलर का चीनी रक्षा बजट भारतीय रु पयों में 19.23 लाख करोड़ रु पए से ज्यादा है। चीन की तुलना में भारत का 2024-25 के लिए घोषित रक्षा बजट 621541 करोड़ रु पए है। इस हिसाब से देखा जाए तो चीन का रक्षा बजट भारत के रक्षा बजट से तीन गुना से भी ज्यादा है। चीन ने वर्ष 2023 में भी अपना रक्षा बजट 7.2 फीसद बढ़ाया था। इससे चीन का रक्षा बजट बढ़कर 1550 अरब युआन अर्थात 225 अरब डॉलर तक हो गया था। इससे पहले वर्ष 2022 में चीन ने अपना रक्षा बजट 7.1 फीसद बढ़ाया था।

तब यह 1450 अरब युआन था। कुल मिलाकर तथ्य यह है कि चीन अपने रक्षा बजट में पिछले नौ वर्षो से लगातार इजाफा कर रहा है। दरअसल, चीन की योजना यह है कि वह अपनी सेना को विश्व की नम्बर एक सेना बना दे। चीन ने अपना रक्षा बजट ऐसे समय बढ़ाया है जब उसकी अर्थव्यवस्था काफी बुरे दौर से गुजर रही है। चीन इससे पहले भी आर्थिक संकट से घिरा हुआ था, लेकिन इस बार मामला ज्यादा गंभीर दिखाई दे रहा है। राष्ट्रपति शी जिनपिंग एक परेशानी वाले काल से गुजर रहे हैं। चीन की तेज आार्थिक ग्रोथ में लंबे समय तक वहां की प्रॉपर्टी सेक्टर की विषेश भूमिका रही है, लेकिन इधर काफी समय से प्रॉपर्टी सेक्टर की कुछ कंपनियां दिवालिया हो गई हैं और सरकार इन्हें उबारने के मूड में नहीं है।

दूसरी तरफ साल 2024 के लिए चीन का रक्षा बजट पिछले कई वर्षो में सबसे ज्यादा है। ऐसे में चीन के द्वारा की गई रक्षा बजट की बढ़ोतरी उसके सैन्य इरादों को स्पष्ट करती है। जिनपिंग ने अपनी सेना को वर्ष 2027 तक विस्तरीय सेना बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसके अलावा यह भी लक्ष्य निर्धारित है कि चीनी सेना को वर्ष 2035 तक पूरी तरह से अत्याधुनिक बना दिया जाए। इसी वजह से चीन अपना रक्षा बजट लगातार बढ़ा रहा है। दरअसल, राष्ट्रपति जिनपिंग यह नहीं चाहते कि उनके सैनिकों को युद्ध लड़ने में अधिक मेहनत करनी पड़े। इसीलिए चीन अत्याधुनिक हथियार, मजबूत थियेटर कमांड, स्टील्थ तकनीक व लड़ाकू तकनीक के क्षेत्र में अधिक पैसा लगा रहा है। इनके विकास के बाद युद्ध में विजय दिलाने का काम लड़ाकू जेट विमान, ऑटोनॉमस हथियार व अत्याधुनिक मिसाइलें कर देंगे। हाल के वर्षो में चीन ने अपनी सैन्य ताकत बढ़ाने के लिए कई बड़े सैन्य सुधार किए हैं। इन सुधारों के तहत उसने दूसरों देशों में अपने प्रभाव का विस्तार करने के लिए नौसेना और वायुसेना को प्राथमिकता देते हुए उनका विस्तार किया। अब चीन नई रोबोट आर्मी तैयार कर चुका है और इसकी तैनाती भी भारतीय सीमा के नजदीक करनी शुरू कर दी है। चीन अपनी इसी रक्षा नीति पर चलते हुए अमेरिका को पीछे छोड़ता हुआ दुनिया की सबसे बड़ी नौसैन्य ताकत बन रहा है। विगत दो तीन वर्षो में चीनी नौसेना में जितने युद्धपोत और पनडुब्बियां शामिल की गई हैं उतने शायद अमेरिका की नौसेना में न हों। इतने हथियारों की बढ़ोतरी के बाद भी उसकी भूख कम नहीं हुई है। चीन की रक्षा ताकत बढ़ाने वाली यह नीति आने वाले समय में विश्व को नए युद्ध में धकेलने में देर नहीं लगाएगी।

इन योजनाओं के पीछे कारण यही है कि चीन का अमेरिका, ताइवान, जापान व भारत के साथ जारी तनाव और हिन्द महासागर व दक्षिण चीन सागर में मिलने वाली चुनौतियों से निपटने में उसका सैन्य पक्ष कमजोर न पड़े। चीन के नीति नियंताओं के मुताबिक सेना को अत्याधुनिक बनाये जाने के फोकस को देखते हुए रक्षा बजट बढ़ाया गया है। चीन अपना दबदबा बढ़ाने के लिए नौसेना की पहुंच को समुद्री क्षेत्रों में फैला रहा है। इस साल के रक्षा बजट का मुख्य जोर नौसेना के विकास पर रहेगा क्योंकि दक्षिण चीन सागर और पूर्वी चीन सागर पर उसके दावे तथा समुद्री आवागमन के लिहाज से इस क्षेत्र में तनाव बढ़ा हुआ है। इसके अलावा एशिया प्रशांत क्षेत्र में अस्थिर सुरक्षा स्थिति को देखते हुए उसको जवाब के तौर पर तैयार होना है। इस तरह यह स्पष्ट हो जाता है कि चीन सैन्य क्षेत्र में दुनिया के शक्तिशाली देशों की तुलना में सबसे ऊपर रहना चाहता है। ऐसी स्थिति में भारत को चीन की रक्षा बढ़ोतरी से सजग रहने की आवश्यकता होगी।

मशहूर यूट्यूबर एल्विश गिरफ्तार, नोएडा पुलिस ने सांपों के जहर की तस्करी मामले में की कार्रवाई

नोएडा। मशहूर यूट्यूबर एल्विश यादव के संबंध में बड़ी खबर आ रही है कि उसे नोएडा पुलिस ने कोबरा कांड मामले में गिरफ्तार कर लिया है। सांपों के जहर की तस्करी मामले में पुलिस लगातार एल्विश से पूछताछ कर रही है। गौरतलब है कि बीते दिनों नोएडा पुलिस ने सांपों के जहर के साथ 5 संदिग्ध लोगों को गिरफ्तार कर पूछताछ किया था। ऐसे में एक बार फिर एल्विश मुश्किलों में घिरते नजर आ रहे हैं। सांपों के जहर की तस्करी मामले में नोएडा पुलिस ने कारवाई करते हुए एल्विश को गिरफ्तार किया है। यहां बतलाते चलें कि मशहूर यूट्यूबर एल्विश पर पार्टी में सांपों के जहर के इस्तेमाल करने का गंभीर आरोप लगा है। 8 नवंबर को नोएडा पुलिस ने रेव पार्टी में सांप के जहर का इस्तेमाल किए जाने संबंधी मामले में एफआईआर की थी। इसमें यूट्यूबर एल्विश को भी आरोपी बनाया गया है। तब पुलिस ने 5 लोगों को गिरफ्तार कर पूछताछ की थी। गिरफ्तार किए गए लोगों में राहुल, टीटूनाथ, जयकरन, नारायण और रविनाथ के नाम शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक राहुल नाम के आरोपी से 20एमएल जहर जब्त किया गया था। इस पूरे मामले में एल्विश ने सफाई देते हुए कहा था कि उनके खिलाफ फेक मामले चल रहे हैं और उनका इन सब से कोई लेना देना नहीं है। तब एल्विश ने इस मामले में पुलिस का पूरा सहयोग करने की भी बात कही थी। अब खबर यह है कि एल्विश को नोएडा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी अनुसार एल्विश को आज 17 मार्च रविवार के दिन नोएडा के सेक्टर-49 से गिरफ्तार किया गया है।

गुजरात यूनिवर्सिटी में अफगानी छात्रों से मारपीट, हॉस्टल में नमाज पढ़ने पर हुआ विवाद

अहमदाबाद। अहमदाबाद की गुजरात यूनिवर्सिटी में देर रात हॉस्टल में रहने वाले अफगानी और अन्य छात्रों पर भीड़ ने हमला कर दिया। गमछा पहने और जयश्रीराम का नारा लगाती भीड़ हॉस्टल में घुसी और छात्रों को पीटा। हॉस्टल में पथराव और तोडफ़ोड़ भी की गई। इसमें 5 लोगों के घायल होने की खबर है। पिटाई का मामला यूनिवर्सिटी हॉस्टल के ए ब्लॉक में 16 मार्च की रात का है। अफगानी छात्रों ने आरोप लगाया कि रमजान की रात वे ए ब्लॉक में तरावीह (नमाज) पढ़ रहे थे। इस दौरान बी ब्लॉक से आए तीन छात्रों ने आकर इसका विरोध किया। उन्होंने बताया कि उनके जाने के बाद करीब 200 लोगों की भीड़ पहुंच गई और जय श्रीराम का नारा लगाते हुए हमला शुरू कर दिया। इनमें से कुछ ने हॉस्टल के कमरों में पथराव किया। कुछ हॉस्टल में घुस आए और लैपटॉप, एसी, अलमारी, टेबल, दरवाजे, म्यूजिक सिस्टम तोड़ दीं। बाहर खड़े टू-व्हीलर्स में भी तोडफ़ोड़ की गई। घटना का वीडियो भी सामने आया है। राज्य के गृह मंत्री हर्ष सांघवी ने घटना के बाद पुलिस और यूनिवर्सिटी के अधिकारियों की इमरजेंसी मीटिंग बुलाई है। इससे पहले उन्होंने डीजी और सीपी को तुरंत कार्रवाई करने के आदेश दिए। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है।

कांकेर में पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ में आठ लाख का इनामी नक्सली ढेर

कांकेर। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में नक्सल विरोधी अभियान के दौरान जवानों और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में एक इनामी नक्सली ढेर हो गया। मुठभेड़ में मारे गए नक्सली पर आठ लाख का इनाम घोषित है। नक्सली के शव की पहचान नव?सली कमांडर मनकेर के रूप में हुई है। इसके अलावा मौके से एलएमजी रायफल के साथ ग्रेनेड व विस्फोटक सामग्री बरामद की गई है। पुलिस ने बताया कि सर्चिंग के दौरान नक्सलियों से जवानों का आमना-सामना हो गया। लगातार दो घंटे चली मुठभेड़ के बाद जवानों को भारी पड़ता देख नक्सली भाग निकले। इसके बाद जवानों को मुठभेड़स्थल से वर्दीधारी नक्सली का शव मिला।

कांकेर में जवानों से मुठभेड़ में नक्सली ढेर

इधर, बीजापुर जिले में थाना बेदरे क्षेत्रान्तर्गत हिंगमेंटा-लंका के जंगलों में पुलिस व नक्सलियों के बीच मुठभेड़ में मारे गए दो नक्सलियों की शिनाख्त हो गई है। सुरेश मुहंदा निवासी हिंगमेंटा 10 वर्षों से सक्रिय था। सन्नु मुहंदा हिंगमेटा बाल संघम के रूप में भर्ती होकर पांच वर्षों से संगठन में सक्रिय था। वर्तमान में संगठन में मिलिशिया सदस्य के रूप में तैनात था।

मुस्लिम संगठनों की चुनाव आयोग से मांग, जुमे के दिन नहीं हो मतदान, तारीख बदलने की मांग की

नई दिल्ली। भारत निर्वाचन आयोग के द्वारा चुनावों की तारीख की घोषणा कर दी गई। कुल सात चरणों में चुनाव होने हैं। चुनाव की एक तारीख 26 अप्रैल भी है, जो कि शुक्रवार है। यह देखकर मुस्लिम संगठनों ने चुनाव आयोग से तारीख बदलने की मांग की है। इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) और केरल के एक मुस्लिम संगठन ने मुस्लिम समुदाय के लिए जुमे की महत्व का हवाला देकर 26 अप्रैल को होने वाले लोकसभा चुनाव को स्थगित करने की अपील की है। आईयूएमएल के प्रदेश महासचिव पीएमए सलाम ने कहा कि केरल में शुक्रवार यानी 26 अप्रैल को चुनाव कराने से मतदाताओं, चुनाव अधिकारियों और मतदान एजेंटों को असुविधा होगी। उन्होंने कहा, शुक्रवार को जुमा है। इस दिन मुसलमान मस्जिदों में इकट्ठा होते हैं। इस दिन केरल और तमिलनाडु में मतदान करना मुश्किल होगा। आईयूएमएल के अलावा, केरल के प्रमुख मुस्लिम संगठन समस्त केरल जमीयथुल उलमा ने चिंता व्यक्त की कि शुक्रवार के चुनाव मतदाताओं और ड्यूटी पर मौजूद अधिकारियों के लिए चुनौतियां पैदा करेंगे और मतदान प्रतिशत को प्रभावित कर सकते हैं।

गुजरात में 18 पाकिस्तानियों को मिली भारतीय नागरिकता

अहमदाबाद। गुजरात के गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी ने 18 पाकिस्तानियों को नागरिकता प्रदान की है। अहमदाबाद जिला कलेक्टर के कार्यालय में उन पाकिस्तानी नागरिकों को भारतीय नागरिकता प्रदान की, जो अहमदाबाद में आकर बस गए थे। इसके साथ ही गुजरात में रह रहे 1,167 शरणार्थी हिंदुओं को अब तक अहमदाबाद जिला कलेक्टरेट द्वारा नागरिकता प्रदान की जा चुकी है। बता दें कि इन पाकिस्तानी शरणार्थियों को नागरिकता प्रदान करने का नए लागू नागरिकता संशोधन कानून से संबंध नहीं। इस बारे में जारी आधिकारिक रिलीज के मुताबिक, वर्ष 2016 और 2018 के गजट नोटिफिकेशंस के आधार पर इन्हें नागरिकता प्रदान की गई है। ये दोनों नोटिफिकेशंस राज्य में अहमदाबाद, गांधीनगर और कच्छ के जिला कलेक्टर को पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश के अल्पसंख्यक समुदायों के लोगों को भारतीय नागरिकता देने का अधिकार देती हैं। इन दोनों नोटिफिकेशन ने अहमदाबाद, गांधीनगर और कच्छ के जिला कलेक्टरों को अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान के हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाइयों के अल्पसंख्यक समुदायों के व्यक्तियों को भारतीय नागरिकता प्रदान करने का अधिकार दिया है। बाद में, आनंद और मेहसाणा जिलों के कलेक्टरों को भी इस सूची में जोड़ा गया। वहीं कैंप में सांघवी ने शरणार्थियों को भारतीय नागरिकता प्रदान की और उनसे नए भारत के सपने को साकार करने के लिए मिलकर काम करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, 'आज का दिन आपके जीवन का एक महत्वपूर्ण दिन है। आज से आप इस महान देश भारत के नागरिक हैं। सांघवी ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार भारतीय नागरिकता प्राप्त करने वाले सभी लोगों को समाज की मुख्यधारा में लाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अफगानिस्तान, पाकिस्तान और बांग्लादेश के पीड़ित अल्पसंख्यकों को आसानी से और जल्दी भारतीय नागरिकता दिलाने के लिए विशेष प्रयास किए हैं।

चुनौतियां चीरने में कामयाब हुए तो कई तरह के रिकॉर्ड बना लेंगे पीएम नरेंद्र मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश ही नहीं पूरी दुनिया में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपनी लोकप्रियता का गुणगान भाजपा करती है। लेकिन इसका मतलब ये नहीं है कि उनके सामने चुनौतियां नहीं हैं। जब चुनावी संग्राम होता है तो प्रतिद्वंदि भी होता है और दांव पेंच भी होते है। इसके बाद भी जो जनता का दिल जीतने में सफल हो जाता है सत्ता उसी की हो जाती है। पीएम मोदी बीते एक दशक से प्रधानमंत्री की पद पर है। मोदी सरकार ने देश के विकास के ढांचे को मजबूत करने का प्रयास किया था। अब पीएम मोदी का कहना है कि तीसरे कार्यकाल में वह देश को 2024 तक विकसित बनाने के लिए काम करेंगे। यह चुनाव सिर्फ देश के लिए अगली सरकार बनाने वाला नहीं होगा बल्कि पीएम नरेंद्र मोदी यदि फिर से सत्ता में लौटे तो वह देश में सबसे ज्यादा लंबे समय तक शासन में रहने वाले प्रधानमंत्री होंगे। उनसे पहले सिर्फ जवाहरलाल नेहरू ही लगातार तीन कार्यकाल तक पीएम रहे थे। लेकिन कई मायनों में उनकी यह सफलता जवाहरलाल नेहरू से भी बड़ी होगी। इसके तीन कारण हैं- जवाहरलाल नेहरू एक एलीट बैकग्राउंड के नेता था। उनके पिता मोतीलाल नेहरू अपने दौर के देश के सबसे नामी वकीलों में से एक थे और कांग्रेस के अध्यक्ष भी रहे थे। उन्हें महात्मा गांधी का भी भरोसा हासिल था। तीसरी और सबसे अहम बात यह है कि आजादी के बाद करीब दो दशकों तक कांग्रेस की ही देश में धाक रही थी। इसकी वजह यह थी कि लोग उसे आजादी के आंदोलन का पर्याय मानते थे। नरेंद्र मोदी के साथ ऐसी कोई विरासत नहीं थी। उनका कोई मौजूदा गॉडफादर भी था, जिसने उन्हें पीएम बनाने के लिए समर्थन किया हो, जैसे महात्मा गांधी ने नेहरू का किया था। एक गरीब परिवार में जन्मे पीएम नरेंद्र मोदी ने दशकों तक संघर्ष किया था। उनकी पार्टी की विचारधारा को लंबे समय तक मुख्यधारा की राजनीति में जगह नहीं मिल सकी थी। ऐसे में 2014 के बाद से पीएम मोदी ने जिस तरह पूर्ण बहुमत की सरकार लगातार दो बार बनाई है, वह उन्हें अलग लीग में खड़ा करती है। तीसरे कार्यकाल में भी उनकी संभावनाएं मजबूत लग रही हैं। वह भाजपा के लिए भी स्वर्णिम काल सरीखा है। इस बार तो पीएम मोदी लगातार एनडीए के 400 पार पहुंचने का नारा दे रहे हैं।

मैसेजिंग' मंच और सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर्स का सहारा ले रही राजनैतिक पार्टियां

2019 में भाजपा ने 325 और कांग्रेस ने 356 करोड़ रुपये खर्च किए

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में दुनिया के सबसे बड़े चुनावी उत्सव की तैयारियां शुरू होने के साथ ही पार्टियां मतदाताओं के मनोविज्ञान पर असर डालने के लिए व्हाट्एप जैसे 'मैसेजिंग' मंच और सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर्स का सहारा ले रही हैं। राजनीतिक दल 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले अपनी उपलब्धियों का प्रचार करने तथा मतदाताओं से समर्थन मांगने के लिए व्यापक पैमाने पर सोशल मीडिया का इस्तेमाल कर रहे हैं।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) व्हाट्सएप पर ''प्रधानमंत्री की ओर से पत्र' भेजकर मतदाताओं से जुड़ने का प्रयास कर रही है और मोदी सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए मतदाताओं से 'फीडबैक' ले रही है। व्हाट्सएप के भारत में हर महीने 50 करोड़ से अधिक सक्रिय उपयोगकर्ता होते हैं। इतना ही नहीं भाजपा ने 'माय फर्स्ट वोट फॉर मोदी' वेबसाइट शुरू की है जिसमें मतदाता मोदी के लिए वोट करने का संकल्प ले सकते हैं और अपनी पसंद की वजह बताकर एक वीडियो अपलोड कर सकते हैं।

वेबसाइट पर मोदी सरकार में किए गए विकास कार्यों को दिखाते कई लघु वीडियो भी हैं। वहीं, कांग्रेस 'राहुल गांधी व्हाट्सएप समूह' चलाती है जिसमें राहुल लोगों से संवाद करते हैं और उनके सवालों का जवाब देते हैं। व्हाट्सएप पर सूचनाओं के प्रसार की निगरानी जिला स्तर पर की जाती है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि यह जनता तक पहुंचे और पार्टी के मतदाता आधार को मजबूत करे। चुनावी विश्लेषक और समीक्षक ने कहा, ''जिस भी राजनीतिक दल के अधिक व्हाट्सएप समूह हैं, वह मतदाताओं से तेजी से और बेहतर तरीके से संवाद कर सकता है। इससे उन्हें तेजी से अपनी उपलब्धियों का प्रचार करने और मतदाताओं को प्रभावित करने में मदद मिलती है।''

एक समय सोशल मीडिया पर प्रचार के लिए सबसे पसंदीदा मंच रहा फेसबुक अब राजनीतिक पेज पर विज्ञापनों संबंधी कई पाबंदियों के कारण राजनीतिक दलों को पसंद नहीं रहा है। उन्होंने कहा, ''पार्टियां उस सोशल मीडिया मंच को चुनती है जो उन्हें बगैर ज्यादा पाबंदियों के और बड़े उपयोगकर्ता आधार के साथ तेजी से जनता से जोड़ने में मदद करते हैं। इंस्टाग्राम और ट्विटर (अब एक्स) जैसे कई अन्य मंच हैं जो जनता के एक खास वर्ग की आवश्यकताओं को पूरी करते हैं और उनके अलग-अलग प्रारूप हैं।''

आयोग के आंकड़ों के अनुसार, भाजपा ने 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान मीडिया विज्ञापनों (प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक, 'बल्क' एसएमएस, केबल वेबसाइट, टीवी चैनल आदि) पर 325 करोड़ रुपये खर्च किए थे, जबकि कांग्रेस ने 356 करोड़ रुपये खर्च किए।

सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर्स एक और महत्वपूर्ण माध्यम बन गए हैं जिनके जरिए पार्टियां उन लोगों का प्रभावित करने की कोशिश करती हैं जो वोट नहीं करते लेकिन धारणा बनाने में भूमिका निभाते हैं। पिछले कुछ महीनों में कई नेता युवा दर्शकों से जुड़ने के लिए मशहूर सोशल मीडिया 'इन्फ्लूएंसर्स' (सोशल मीडिया पर लोगों पर प्रभाव डालने वाले लोग) के यूट्यूब चैनलों पर दिखाई दिए हैं। केंद्रीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर, केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी, केंद्रीय पीयूष गोयल और राजीव चंद्रशेखर जैसे भाजपा नेताओं ने साक्षात्कार दिए हैं, जिनके यूट्यूब पर 70 लाख से अधिक फॉलोअर हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी यात्रा और भोजन के वीडियो पॉडकास्ट 'कर्ली टेल्स' की संस्थापक कामिया जानी से भोजन पर बातचीत की थी।

चुनावी नतीजों पर सोशल मीडिया प्रचार की महत्ता बताकर जानकार ने कहा, ''औसतन दो लाख की आबादी वाले किसी विधानसभा क्षेत्र में 40 फीसदी तक इंटरनेट पहुंच के साथ डिजिटल माध्यमों के जरिए 75,000 से 80,000 लोगों को प्रभावित करना संभव है। किसी भी विधानसभा चुनाव में 5,000 वोटों का अंतर भी किसी भी जीत-हार का अच्छा अंतर होता है। इस बीच, राजनीतिक दलों द्वारा सोशल मीडिया पर प्रचार को विनियमित करने की आवश्यकता पर जोर देकर पूर्व मुख्य निर्वाचन आयुक्त एसवाई कुरैशी ने कहा कि निर्वाचन आयोग को प्रौद्योगिकी कंपनियों से चुनावी निकाय के नियमों का उल्लंघन करने वाले पोस्ट हटाने के लिए उनके तंत्र को मजबूत करने पर बात करनी चाहिए।

एनडीए व इंडिया अलायंस में सीट बंटवारे को लेकर नाराजगी बरकरार

पटना (एजेंसी)। बिहार में अभी तक एनडीए और इंडिया अलायंस में सीट बंटवारे की घोषणा नहीं हो पाई है। दोनों ओर खींचतान के हालात हैं। एनडीए में अभी 6 दल शामिल हैं तो इंडी अलायंस में 5 दल हैं। पशुपति पारस के नेतृत्व वाली आरएलजेपी और उपेंद्र कुशवाहा का राष्ट्रीय लोक मोर्चा अभी तो हैं लेकिन सीटें मन माफिक नहीं मिलने की आशंका से दोनों की नाराजगी बनी हुई है।

माना जा रहा है कि बात नहीं बन पाने की स्थिति में दोनों बिहार में आरजेडी के नेतृत्व वाले इंडिया अलायंस में शामिल हो सकते हैं। शायद यही वजह है कि इंडी अलायंस ने भी अपने साथी दलों के बीच सीटों का बंटवारा रोक रखा है। एनडीए ने सभी साथी दलों से बातचीत कर यह तो संकेत दे ही दिया है कि किसे कितनी सीटें दी जा सकती हैं। कम सीटों के अंदेशे से एनडीए के साथ अब तक रहे आरएलजेपी, आरएलएम और हम के नेता परेशान हैं। आरएलजेपी के अध्यक्ष पशुपति पारस ने तो साफ कह दिया है कि वे सीटों के ऐलान का इंतजार कर रहे हैं। अगर एनडीए ने उन्हें सम्मानजनक सीटें नहीं दी तो वे नए रास्ते तलाशने के लिए स्वतंत्र होंगे। आरएलएम के उपेंद्र कुशवाहा कुछ बोल तो नहीं रहे लेकिन उनके मन में भी नाराजगी है। हम के नेता जीतन राम मांझी को संतुष्ट करने की भाजपा ने पूरी कोशिश की है। उनके बेटे संतोष सुमन को भाजपा ने एमएलसी-मंत्री बना कर उन्हें बिहार में 3 महत्वपूर्ण विभाग देकर संभालने की पूरी कोशिश की है। लेकिन बारगेनिंग के लिए वे कब किस बात पर बिदक जाएं कहना मुश्किल है। इंडी अलायंस में अभी आरजेडी, कांग्रेस के अलावा तीन वामपंथी दल शामिल हैं। उसे उम्मीद है कि पशुपति पारस भी उसके समूह में आ सकते हैं।

जल संकट- नहाना तो दूर खाना बनाने तक के लिए नहीं मिल रहा पानी

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु में इस बार पानी का घोर संकट है। यहां तमाम तरह के प्रतिबंध लगाने के बाद भी समस्या का समाधान नहीं निकल रहा है। लोगों को नहाने के लिए पानी मिलना तो दूर की बात है खाना बनाने तक के लिए पानी नहीं है। उन्हे बाहर से ऑर्डर करके खाना मंगाना पड़ रहा है। दो से तीन दिनों में नहाना और रेस्तरां से खाना ऑर्डर करना आम बात हो गई है। यहां तक कि ऊंचे अपार्टमेंट में रहने वाले लोग भी पानी के टैंकरों पर निर्भर हैं। पानी की कमी बेंगलुरु में एक गंभीर समस्या बन गई है, जिसका असर अब रेस्तरां और एजुकेशनल इंस्टीट्यूट पर भी पड़ रहा है। रेस्तरां पानी के अधिक उपयोग से बचने के लिए डिस्पोजेबल कप, गिलास और प्लेटों का उपयोग करने पर विचार कर रहे हैं। एजुकेशनल इंस्टीट्यूट भी पानी की कमी से परेशान हैं।

हाल ही में, शहर के एक कोचिंग सेंटर ने अपने छात्रों को एक सप्ताह के लिए 'इमरजेंसी' के कारण क्लासेस ऑनलाइन लेने को कहा। इसी तरह, बन्नेरघट्टा रोड पर एक स्कूल भी बंद कर दिया गया, और स्टूडेंट्स को कोविड के समय की तरह की ऑनलाइन क्लास लेने को कहा गया। यह स्पष्ट है कि पानी की कमी बेंगलुरु के लिए एक गंभीर खतरा बन गई है। इस संकट से निपटने के लिए, शहर के लोग पानी बचाने के लिए नए तरीके अपना रहे हैं। केआर पुरम की निवासी सुजाता ने कहा, ÷गर्मी बढ़ने के साथ, रोजाना नहाए बगैर नहीं रहा जाता, लेकिन उनके पास एक दिन छोड़कर एक दिन नहाने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक लोग पानी की कमी से इतने परेशान हैं कि कुछ लोगों को नहाने या टॉयलेट का उपयोग करने के लिए मॉल जाना पड़ रहा है। सिंगसंद्रा में रहने वाली एक आईटी प्रोफेशनल लक्ष्मी वी ने कहा कि वह अपनी कंपनी से ऑप्शन की अनुमति देने का अनुरोध कर रही हैं ताकि वह और उसका परिवार स्थिति बेहतर होने तक कुछ समय के लिए तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली रहने को जा सके। बेंगलुरु मुख्य रूप से कावेरी नदी के पानी और ग्राउंड वॉटर पर निर्भर है। सीवेज उपचार प्लांट से रीसाइकल्ड पानी का उपयोग पीने के अलावा कई चीजों के लिए किया जाता है। बारिश की कमी के कारण मुख्य जलस्रोतों पर दबाव ज्यादा है। बेंगलुरु को प्रतिदिन 2,600-2,800 मिलियन लीटर पानी की जरूरत होती है, लेकिन वर्तमान में इसका केवल आधा ही उपलब्ध है।

ईडी ने कविता को बताया दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति घोटाले की मुख्य साजिशकर्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की बेटी के कविता को राउज एवेन्यू अदालत ने 23 मार्च तक के लिए ईडी की हिरासत में भेज दिया है। अदालत के समक्ष पेश ईडी की अर्जी में कहा गया, के कविता ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और तत्कालीन उपमुख्यमंत्री व तत्कालीन उत्पाद शुल्क मंत्री मनीष सिसौदिया के साथ सौदा किया, जिसमें उन्होंने साउथ ग्रुप के अन्य सदस्यों के साथ बिचौलियों के जरिए उन्हें रिश्वत का भुगतान किया। आप के नेताओं को दी गई रिश्वत के बदले में उन्हें नीति बनाने में शामिल किया गया। ईडी ने यह भी आरोप लगाया कि उन्हें अपने डमी अरुण पिल्लई के जरिए पेरनोड रिकार्ड इंडिया प्राइवेट लिमिटेड नामक फर्म और वितरण व्यवसाय में पर्याप्त निवेश के बिना इंडो स्पिरिट्स की साझेदारी में हिस्सेदारी मिली, जो देश के सबसे बड़े शराब निर्माताओं में से एक है।

इस तरह दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति 2021-22 की अवधि में इंडो स्पिरिट्स को सबसे ज्यादा मुनाफा हुआ।आवेदन में दावा किया गया है, नीति में थोक व्यापारी का लाभ मार्जिन बढ़ाकर 12 प्रतिशत कर दिया गया, ताकि इस मार्जिन में से इसका एक हिस्सा रिश्वत के रूप में वापस लिया जा सके। ऐसा अवैध धन का प्रवाह लागातार बनाए रखने के लिए किया गया था। ईडी ने दावा किया कि कविता और अन्य ने आप के शीर्ष नेताओं को 100 करोड़ रुपये की रिश्वत दी, जो कि पीएमएलए की धारा 50 के तहत दर्ज श्रीनिवासुलु रेड्डी के 14 जुलाई 2023 को दर्ज बयान और 17 जुलाई 2023 को सीआरपीसी की धारा 164 के तहत दर्ज उनके बयान से स्पष्ट है। अदालत में सौंपे गए बयान के अनुसार, श्रीनिवासुलु रेड्डी ने कहा कि मार्च 2021 में उन्होंने दिल्ली के एक अखबार में पढ़ा कि सरकार शराब व्यापार का निजीकरण कर रही है। चूंकि वह पिछले 71 वर्षों से दक्षिण भारत में शराब के कारोबार से जुड़े हैं, उन्होंने दिल्ली में अपने करोबार के विस्तार पर विचार किया और सीएम केजरीवाल से मिलने की मांग की थी।वह अगले दिन मिले। उन्होंने उन्हें बताया कि केजरीवाल ने उनसे बात की थी।बयान में कहा गया है, कविता ने उनसे कहा कि उनके सीए बुची बाबू इस समन्वय के लिए उनसे और उनके बेटे राघव मगुंटा से मिलने आएंगे। बुची बाबू अगले दिन उनसे मिलने गए और राघव मगुंटा ने उनसे कहा कि वह 30 करोड़ रुपये की व्यवस्था कर सकते हैं और आखिरकार 25 करोड़ रुपये नकद में दिए गए

कविता की गिरफ्तारी को चुनावी स्टंट बताया

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने शनिवार को दिल्ली शराब नीति मामले में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा बीआरएस एमएलसी के कविता की गिरफ्तारी को चुनावी स्टंट बताया। रेवंत रेड्डी ने आरोप लगाया कि लोकसभा चुनाव कार्यक्रम की घोषणा से एक दिन पहले कविता की गिरफ्तारी भाजपा द्वारा खुद को भ्रष्टाचार के खिलाफ चैंपियन के रूप में प्रदर्शित करने और साथ ही अपने सहयोगी बीआरएस के लिए कुछ सहानुभूति हासिल करने का एक प्रयास था। संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि बीआरएस और भाजपा दोनों कांग्रेस की संभावनाओं को नुकसान पहुंचाने के लिए सस्ती राजनीतिक

रणनीति का सहारा ले रहे हैं, क्योंकि सर्वेक्षणों का अनुमान है कि कांग्रेस तेलंगाना में 17 लोकसभा सीटों में से 12 सीटें जीतेगी।रेवंत रेड्डी ने कविता की गिरफ्तारी पर बीआरएस अध्यक्ष और कविता के पिता के।चंद्रशेखर राव और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दोनों की चुप्पी पर भी सवाल उठाया।उन्होंने पूछा, 'केसीआर ने गिरफ्तारी की निंदा नहीं की है, जबकि प्रधानमंत्री मोदी ने इसे उचित नहीं ठहराया है।

राहुल गांधी को राहत, मानहानि मामले में सुनवाई दो मई तक स्थगित

मुंबई। महाराष्ट्र के ठाणे जिले के भिवंडी में एक मजिस्ट्रेट अदालत ने कांग्रेस नेता और पूर्व पार्टी अध्यक्ष राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि मामले में सुनवाई दो मई तक के लिए स्थगित कर दी। राहुल गांधी के वकील ने इसकी जानकारी दी। राहुल गांधी के वकील नारायण अय्यर ने कहा कि उन्होंने इस आधार पर स्थगन का अनुरोध करते हुए एक आवेदन प्रस्तुत किया कि मामले के संबंध में वायनाड सांसद द्वारा बंबई उच्च न्यायालय में दायर एक रिट याचिका लंबित है। दरअसल छह मार्च 2014 को भिवंडी के पास चुनावी रैली में कांग्रेस नेता के उस कथित बयान पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के स्थानीय सदस्य राजेश कुंटे ने आपराधिक मानहानि का मामला दायर किया है, जिसमें राहुल गांधी ने कहा था, आरएसएस के लोगों ने (महात्मा) गांधी की हत्या की। वहीं सुनवाई के दौरान कुंटे के वकील प्रबोध जयवंत ने राहुल गांधी के आवेदन का विरोध किया। उन्होंने कहा कि अदालत ने पूर्व में स्थगन का अनुरोध करने पर शिकायतकर्ता के खिलाफ जुर्माना लगाया था और यही नियम आरोपी कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर भी लागू किया जाना चाहिए।

केजरीवाल के लिए चुनौती- चुनावी संग्राम में सीटें भी जीतना है और चेहरा भी बचाना है

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी ने जिस कांग्रेस सरकार के खिलाफ आंदोलन कर राजनीति की सीढ़ियां चढ़ी, आज उसी कांग्रेस के साथ चार राज्यों में गठबंधन कर आप लोकसभा चुनाव लड़ रही है। इन सबके बीच अरविंद केजरीवाल की चुनौती अपनी ईमानदार छवि को बरकरार रखने की है। जिस भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई लड़कर वह राजनीति में आए, आज खुद वह उन्हीं आरोपों में घिरे हैं। उनकी पार्टी के कई वरिष्ठ नेता भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों में करीब एक वर्ष से जेल में है। कहा जा सकता है कि अब आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल अपने सियासी चढ़ाव पर हैं। उन्होंने बीते 12 वर्षों में बगैर किसी राजनीतिक पृष्ठभूमि या परिवार के नई पार्टी आप को राष्ट्रीय पटल पर लाकर खड़ा कर दिया है।

संगठन मजबूत करने से लेकर प्रचार और इंडिया गठबंधन के साथ चलना भी उनके सामने एक बड़ी चुनौती है। यह लोकसभा चुनाव उनके लिए सिर्फ राजनीतिक लड़ाई नहीं है बल्कि जीत के साथ जनता के बीच अपनी छवि को सही साबित करने की चुनौती है। दिल्ली में अगले वर्ष विधानसभा चुनाव होने हैं। केजरीवाल लगातार तीन बार 2013, 2015 फिर 2020 में प्रचंड बहुमत लाकर दिल्ली के मुख्यमंत्री की कुर्सी पर काबिज हैं। केजरीवाल ने 2 अक्तूबर 2012 को राजनीतिक दल बनाने की घोषणा की थी। नवंबर 2012 में आम आदमी पार्टी के नाम से दल की घोषणा की। 2013 में कांग्रेस के समर्थन से दिल्ली के मुख्यमंत्री बने। हालांकि 49 दिन में यह सरकार गिर गई। वर्ष 2015 में दिल्ली में 70 में से 67 सीट जीतकर सरकार बनाई। 2020 में 62 सीट जीतकर दिल्ली के मुख्यमंत्री बने। 2022 में पंजाब में 92 सीट जीतकर आप की सरकार बनी। गुजरात में पार्टी ने पांच विधानसभा और गोवा में 2 विधानसभा सीट पर जीत हासिल की। 2023 में राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा मिला।

डब्ल्यूपीएल 2024 : पहली बार फाइनल में पहुंची आरसीबी, मुंबई को 5 रनों से हराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में महिला प्रीमियर लीग के तहत खेले गए एलिमिनेटर मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने इतिहास रचते हुए मुंबई इंडियंस को 5 रन से हराकर फाइनल में जगह बना ली है। आरसीबी पहली बार महिला प्रीमियर लीग का फाइनल खेलेगी। मुकाबले की बात करें तो आरसीबी ने पहले खेलते हुए एलिसा पेरी के 66 रनों की बदौलत 135 रन बनाए थे। जवाब में खेलने उतरी मुंबई की शुरूआत सधी हुई रही। मध्यक्रम में नेट ब्रंट ने 23 कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 30 तो अमेलिया केर ने 27 रन बनाए लेकिन आखिरी ओवरों में गिरी विकेट के कारण वह जीत हासिल करने से चूक गईं।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु महिला : 135/6 (20 ओवर)

आरसीबी की कप्तान स्मृति ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी चुनी लेकिन वह प्रदर्शन नहीं कर पाई। स्मृति मंधाना 10 तो सोफिया डिवाइन 10 रन बनाकर आऊट हो गई। दिशा 0 तो ऋषा घोष जब 14 रन बनाकर आऊट हो गई तो एलिसा पेरी ने एक छोर संभाल लिया और शॉट लगाने जारी रखे। उन्होंने 50 गेंदों पर 8 चौके और एक छक्के की मदद से 66 रन बनाए। बेंगलुरु की ओर से निचले क्रम में सोफिया ने 11 तो जॉर्जिया ने 10 गेंदों पर 18 रन बनाकर स्कोर 135 तक पहुंचाया।

मुंबई की ओर से गेंदबाजी करते हुए हेले मैथ्यूज ने 18 रन देकर 2, नेट ब्रंट ने 18 रन देकर 2 तो सैका ने 27 रन देकर 2 विकेट लीं।

मुंबई इंडियंस महिला : 130/6 (20 ओवर)

जवाब में लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुंबई ने सधी हुई शुरूआत की। ओपनर यस्तिका भाटिया ने 27 गेंदों पर 19 तो हेले मैथ्यूज ने 14 गेंदों पर 15 रन बनाए। नेट ब्रंट ने 17 गेंदों पर 23 तो कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 33 रन बनाकर पारी को आगे बढ़ाया। लेकिन आखिरी ओवरों में मुंबई ने साजना 1, पूजा 4 के जल्दी ही विकेट गंवा लिए। बढ़ती नेट रन रेट के अगे अमेलिया केर भी असहाय नजर आई। उन्होंने 25 गेंदों पर 27 रन जरूर बनाए लेकिन टीम जीत नहीं पाई। बेंगलुरु की ओर से श्रेयांका पटेल ने 16 रन देकर 2 तो एलिसे पेरी, सोफिया, जार्जिया और आशा ने 1-1 विकेट लीं।

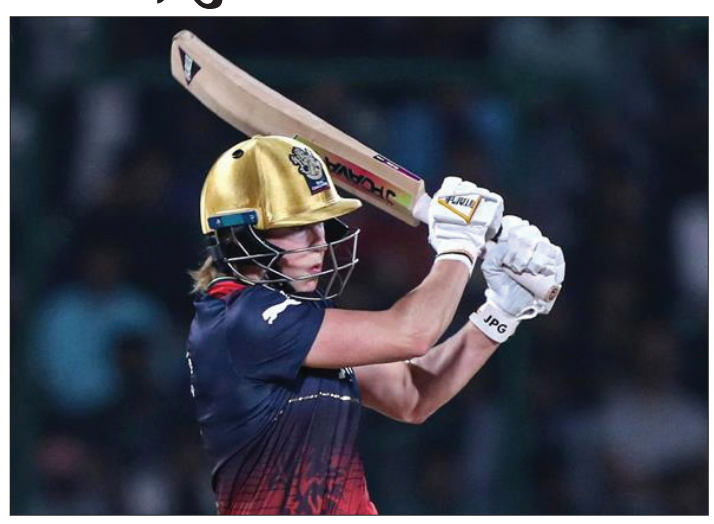

लोकसभा चुनाव के चलते दुबई में ट्रांसफर हो सकता है आईपीएल, इस फैसले ने दिया ईशारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आगामी सीजन को भारत में अप्रैल और मई के महीनों में होने वाले भारतीय आम चुनावों के कारण संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में ट्रांसफर किया जा सकता है। वैसे भी भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने अभी तक टूर्नामेंट के पहले 21 मैचों का शेड्यूल ही घोषित किया है। बताया जा रहा है कि अभी बीसीसीआई अधिकारी आईपीएल 2024 के दूसरे भाग को यूएई में स्थानांतरित करने की संभावना तलाशने के लिए दुबई में हैं।

रिपोर्ट सामने आ रही है कि आईपीएल टीमों ने खिलाड़ियों को अपने पासपोर्ट जमा करने के लिए कहा है। यह सीधा संकेत देता है कि वीजा संबंधी कार्यों के चलते ऐसा किया जा सकता है। बीसीसीआई फिलहाल आम चुनावों की तारीख को देख रहा है। अगर शैड्यूल फिट नहीं बैठेगा तो आईपीएल यूएई में ट्रांसफर किया जाएगा। इससे पहले 2009 में लोकसभा चुनावों के कारण पूरा आईपीएल दक्षिण अफ्रीका में करवाया गया था। ऐसी ही स्थिति 2019 में बनी थी तब टूर्नामेंट का पहला भाग यूएई में करवाया गया था।

यही नहीं, साल 2020 में पूरा आईपीएल कोविड के कारण संयुक्त अरब अमीरात में करवाया गया था। 2021 आईपीएल का दूसरा भाग भी ऐसा ही हुआ। कोविड हटा तो साल 2023 में पूरा आईपीएल भारतीय सरजमीं पर ही करवाया गया। बहरहाल, टूर्नामेंट का पहला मुकाबला रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच 22 मार्च को चेन्नई में खेला जाएगा। बीसीसीआई ने फिलहाल 7 अप्रैल तक के कार्यक्रम की घोषणा की है, जिसमें सभी टीमें कम से कम चार मैच खेलेंगी और कुछ को पांच मैच भी खेलने होंगे।

धोनी आईपीएल के बीच में ही छोड़ सकते हैं कप्तानी : रायडू

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर अंबाती रायुडू ने कहा है चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) टीम के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी आईपीएल के बीच में ही कप्तानी छोड़कर किसी अन्य खिलाड़ी को ये जिम्मेदारी दे सकते हैं। सीएसके के लिए पिछले सत्र में अच्छा प्रदर्शन करने वाले रायुडू का मानना है कि भविष्य को देखते हुए माही आईपीएल के दौरान किसी युवा को चेन्नई का कप्तान बना सकते हैं।

पिछले सत्र में अनुभवी ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा को सीएसके का कप्तान बनाया गया था पर लगातार असफल होने के कारण उन्होंने बीच में ही कप्तानी छोड़ दी थी। उसके बाद से ही ये जिम्मेदारी धोनी संभाल रहे हैं। उनकी कप्तानी में सीएसके को साल 2023 में पांचवीं बार खिताब मिला था।

रायुडू ने कहा ,'इंपैक्ट प्लेयर नियम के जरिए धोनी बीच के ओवरों में किसी और को कप्तानी सौंप सकते हैं। यह साल सीएसके के लिए बदलाव वाला हो सकता है। अगर यह उनका आखिरी साल है , अगर वह कुछ साल और खेलते हैं तो वह कप्तान बने रहेंगे। जहां तक मेरी बात है, मैं चाहूंगा कि वही कप्तान रहें।' धोनी ने हाल ही में फेसबुक पोस्ट में संकेत दिया था कि इस साल आईपीएल में वह नई भूमिका में होंगे। वहीं रायुडू इस सत्र में कमेंटेटर के तौर पर नजर आयेंगे। रायडू ने पिछले साल खेल के सभी प्रारुपों से संन्यास ले लिया था।

आईपीएल 2024 में विराट कोहली के पास इतिहास रचने का मौका, बस ये काम करके बन जाएंगे पहले भारतीय बल्लेबाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। आरसीबी के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली के पास आईपीएल 2024 में एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम करने का बड़ा मौका है। आईपीएल के 17वें सीजन की शुरुआत 22 मार्च से होगी और पहले ही मुकाबले में आरसीबी की सामना डिफेंडिंग चैंपियन सीएसके के साथ होगा। इस मैच में कोहली को महज 6 रन बनाने हैं और वो इतिहास रच देंगे।

कोहली इस लीग के एकमात्र ऐसे खिलाड़ी हैं जो पिछले 16 सीजन से सिर्फ आरसीबी के लिए खेल रहे हैं। उनके नाम पर इस लीग में सबसे ज्यादा रन बनाने का साथ ही सबसे ज्यादा शतक लगाने का रिकॉर्ड भी दर्ज है। यही नहीं उनके नाम पर एक सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाने का कीर्तिमान भी दर्ज है और साल 2016 में 973 रन बनाकर उन्होंने ये उपलब्धि अपने नाम दर्ज की थी, लेकिन अब टी20 प्रारूप में वह भारत की तरफ से 12,000 रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी बनने के बिलकुल पास हैं।

आईपीएल के 17वें सीजन में 6 रन बनाते ही विराट कोहली टी20 क्रिकेट में अपने 12,000 रन पूरे कर लेंगे और वह क्रिकेट के इस फॉर्मेट में रन के इस आंकड़े को छूने वाले पहले खिलाड़ी बन जाएंगे।

विराट कोहली ने टी20 में अब तक कुल 11994 रन बनाए हैं। विराट कोहली ने टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में 4037 रन बनाए हैं तो वहीं आईपीएल में 7263 रन उनके नाम पर दर्ज है। भारत की तरफ से इस वक्त विराट कोहली टी20 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हों तो वहीं रोहित शर्मा उनके बाद दूसरे स्थान पर हैं।

टी20 में भारत की तरफ से सबसे ज्यादा रन बनाने वाले टॉप 5 बल्लेबाज

विराट कोहली-11,1194 रन, रोहित शर्मा-11,156 रन, शिखर धवन- 9,465 रन, सुरेश रैना-8654 रन, केएल राहुल- 7066 रन.

अब समय बेकार नहीं कर पायेगी गेंदबाजी टीम , स्टॉप क्लॉक नियम होगा लागू

दुबई । अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने समय की बर्बादी को रोकने के लिए एकदिवसीय और टी20 में स्टॉप क्लॉक नियम को लाने का फैसला किया है। आईसीसी ने कहा है कि परीक्षण अवधि में सफल होने पर स्टॉप क्लॉक नियम को स्थायी रूप से लागू किया जाएगा। इस नियम को इसलिए लगाया गया है जिससे कि बीच में होने वाली समय की बर्बादी को रोका जा सके। ये नियम शुरू में दिसंबर 2023 में ट्रॉयल के आधार पर पेश किया गया था। इसे अब टी20 अंतराष्ट्रीय और एकदिवसीय अंतराष्ट्रीय सहित सभी सफेद गेंद वाले क्रिकेट में लागू करने की सहमति आईसीसी ने दे दी है। स्टॉप क्लॉक नियम के अनुसार फील्डिंग टीम को एक ओवर समाप्त होने के बाद अगला ओवर 60 सेकेंड करीब एक मिनट के अंदर शुरू करना होता है। ओवर समाप्त होते ही स्टॉप वॉच ऑन हो जाएगी और फिर 60 सेकेंड के अंदर टीम को दूसरा ओदवर शुरू करना होगा। वहीं अगर गेंदबाजी करने वाली टीम ऐसा नहीं कर पाती है तो उन पर पेनल्टी लगती है। इस गलती के कारण फील्डिंग टीमों पर पांच रनों तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। इससे पहले उन्हें दो बार चेतावनी भी मिलती है। सभी आईसीसी सफेद गेंद प्रारुप के लिए नियम को लागू किया जाएगा।

रणजी में सबसे अधिक रन बनाने वाले पांच खिलाड़ियों में रिकी भुई सहित चार युवा शामिल रहे

नई दिल्ली (ईएमएस)। रणजी ट्रॉफी में इस बार युवा खिलाड़ी छाये रहे हैं। इस बार टूर्नामेंट में रिकी भुई, सचिन बेबी सहित चार युवा खिलाड़ियों ने सबसे अधिक रन बनाए हैं। अनुभवी खिलाड़ियों की बात करें तो केवल चेतेश्वर पुजारा ही एकमात्र अनुभवी खिलाड़ी रहे जो अधिक रन बना पाये। वहीं हैरानी की बात ये है कि सबसे अधिक रन बनाने वालो में विजेता टीम मुम्बई का कोई भी खिलाड़ी शामिल नहीं है। इस सत्र में सबसे अधिक रन भुई के नाम रहे। भुई ने इस सत्र में 900 से भी अधिक रन बनाए हैं। भुई ने आंध्र प्रदेश की ओर से खेलते हुए 13 पारियों में कुल 902 रन बनाए हैं। उनका 75 के औसत से सबसे अधिक स्कोर 175 रन रहा है। इस दौरान इस बल्लेबाज ने 4 शतक और 3 अर्धशतक लगाए हैं। वहीं इस सत्र में दूसरे सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी सचिन बेबी हैं। सचिन बेबी ने इस सत्र में 800 से भी अधिक रन बनाए हैं। सचिन ने केरल की ओर से खेलते हुए 12 पारियों में कुल 830 रन बनाए हैं। उनका उच्चतम स्कोर 131 रन का रहा था। वहीं औसत करीब 83 के आस पास का रहा है।

बीसीसीआई रणजी खिलाड़ियों के लिए मैच फीस दोगुनी या तिगुनी करे : गावस्कर

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि रणजी ट्रॉफी में खेलने वाले खिलाड़ियों की मैच फीस को बढ़ाकर दो से तीन गुना किया जाना चाहिए। हाल में भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने रणजी खिलाड़ियों की मैच फीस बढ़ायी है पर गावस्कर इसे पर्याप्त नहीं मानते। उन्होंने बीसीसीआई से कहा कि इसे दुगनी या तिगुनी करे। गावस्कर ने कहा, अगर रणजी ट्रॉफी की फीस दोगुनी या तिगुनी की जा सकती है, तो अधिक से अधिक खिलाड़ी रणजी ट्रॉफी खेलना चाहेंगे। साथ ही कहा कि रणजी ट्रॉफी की फीस अधिक होने पर सभी खिलाड़ी घरेलू क्रिकेट खेलना चाहेंगे। गावस्कर ने कहा कि टेस्ट क्रिकेट चलता रहेगा पर भविष्य में पांच मैचों की टेस्ट सीरीज अब कम ही होगी। हो सकता है कि हर देश के बीच पांच टेस्ट मैचों की सीरीज केवल दो या तीन देश ही पांच टेस्ट खेल सकते हैं.' गावस्कर ने इसके बाद इंसेंटिव स्कीम का उदाहरण देते हुए कहा, जैसा कि भारतीय टीम के कोच राहुल द्रविड़ ने धर्मशाला टेस्ट के बाद कहा था कि इंसेंटिव स्कीम टेस्ट खेलने वाले खिलाड़ियों के लिए एक ईनाम की तरह है। ऐसे में बीसीसीआई से मैं यह अनुरोध करूंगा कि रणजी खेलने वाले खिलाड़ियों के लिए भी कुछ ऐसी ही योजना लाई जाए।

ऑस्ट्रेलिया दौरे से पेरिस ओलंपिक की तैयारियों का अच्छा अवसर मिलेगा: हरमनप्रीत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा है कि अगले माह पांच मैचों की सीरीज के लिए होने वाले ऑस्ट्रेलिया दौरे से उनकी टीम को अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने का अवसर मिलेगा। हरमनप्रीत का मानना है कि आगामी पेरिस ओलंपिक में जीत के लिए उनकी टीम को कई क्षेत्रों में सुधार की जरुरत है। हरमनप्रीत ने कहा कि पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने के लिए उनकी टीम में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। भारतीय टीम ने अंतिम बार 34 साल पहले साल 1980 में मास्को ओलंपिक में स्वर्ण जीता था। उसके बाद से ही टीम इसके करीब भी नहीं पहुंच पायी। टोक्यो ओलंपिक में हालांकि टीम ने कांस्य पदक जीतकर पदक

का लंबा इंतजार खत्म किया था।

हरमनप्रीत ने कहा कि अगर हम टीम के प्रदर्शन पर ध्यान दें तो यह अच्छा है। हम अतिआत्मविश्वास में नहीं हैं पर हम सभी बड़ी टीमों को कड़ी चुनौती दे रहे हैं। हमारी टीम आत्मविश्वास से भरी है। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य स्वर्ण पदक जीतना है। इसके अलावा हम किसी अन्य चीज पर विचार नहीं कर रहे हैं। हमारा कोई अन्य लक्ष्य नहीं है।

भारतीय टीम ने पिछले साल एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में जीत दर्ज करने के बाद एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीत कर पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया था। इसके बाद उसने एफआईएच प्रो लीग में भी अच्छा प्रदर्शन किया था। भारतीय टीम इस लीग में आठ मैच में 15 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रही। हरमनप्रीत ने कहा कि प्रो लीग के सभी मैच कठिन थे, लेकिन हमने अच्छा प्रदर्शन किया। हमने इन मैचों से काफी कुछ सीखा और टीम ने काफी सुधार किया। कुल मिलाकर हमने अच्छा प्रदर्शन किया।

ऋषभ , बुमराह ओर कमिंस सहित आईपीएल में वापसी करेंगे ये सात दिग्गज

मुम्बई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 2024 सत्र से इस बार ऋषभ पंत, जसप्रीत बुमराह सहित सात स्टार खिलाड़ी वापसी कर रहे हैं। इससे इस लीग का आकर्षण भी बढ़ना तय है। लीग के वापसी कर रहे इन खिलाड़ियों में के अलावा श्रेयस अय्यर, केन विलियम्सन पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क और जॉनी बेयरस्टो जैसे नाम शामिल हैं। इन खिलाड़ियों की वापसी से सबसे ज्यादा लाभ कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) को होगा। केकेआर के दो खिलाड़ी उसे वापस मिले जाएंगे। इसमें श्रेयस अय्यर और मिचेल स्टार्क हैं। विकेटकीपर बैटर ऋषभ कार हादसे के करीब 15 महीने बाद मैदान पर वापसी करेंगे। ऋषभ पिछले आईपीएल से बाहर रहे थे। ऐसे में उनके दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी करने की उम्मीद है। वहीं तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भी फिट नहीं होने के कारण आईपीएल के पिछले सत्र से बाहर रहे थे। इस बार वह बेहतरीन लय में नजर आ रहे हैं। बुमराह ने हाल ही में खत्म हुई भारत-इंग्लैंड सीरीज में 19 विकेट लिए थे। केकेआर के कप्तान श्रेयस अय्यर भी एक साल के बाद आईपीएल में खेलेंगे। उनकी वापसी से टीम की बल्लेबाजी बेहतर होगी। अय्यर पिछले साल चोट के कारण आईपीएल नहीं खेल पाए थे।वहीं ऑस्टेलिया के मिचेल स्टार्क इस बार केकेआर की ओर से खेलते दिखेंगे। केकेआर ने स्टार्क को 24.75 करोड़ रुपए में खरीदा है। स्टार्क 8 साल बाद आईपीएल में लौटे हैं। ऑस्टेलिया के तेज गेंदबाज पैट कमिंस भी आईपीएल में एक साल बाद लौट रहे हैं। कमिंस ने गत वर्ष व्यस्त कार्यक्रम को देखते हुए आईपीएल से नाम वापस ले लिया था। इस बार वह सनराइजर्स हैदराबाद ने की ओर से खेलते हुए नजर आयेंगे। कमिंस को 20.50 करोड़ रुपए में खरीदा है और उन्हें कप्तान भी बनाया है। वहीं न्यूजीलैंड के केन विलियम्सन के लिए आईपीएल 2023 अच्छा नहीं रहा था। विलियम्सन तब चोटिल होने के कारण वे पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए। इस बार वे फिट हैं और गुजरात टाइटंस की ओर से खेलने के लिए तैयार हैं। इसके अलावा इंग्लैंड के जॉनी बेयरस्टो भी आईपीएल 2023 में पंजाब किंग्स के लिए नहीं खेल पाए थे। उन्होंने लीग से ठीक पहले सर्जरी कराई थी और रिकवरी के लिए उन्हें मैदान से बाहर रहना पड़ा था पर इस बार वह फिट हैं और खेलने के लिए तैयार हैं।

हार्दिक को लेकर प्रवीण ने बीसीसीआई पर निशाना साधा, वह चांद से नहीं आया

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर प्रवीण कुमार ने आईसीसी अनुबंध को लेकर भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) पर पक्षपात का आरोप लगाय है। प्रवीण ने कहा एक ओर से घरेलू क्रिकेट नहीं खेलने पर ईशान किशन और श्रेयस अय्यर को बाहर कर दिया गया है। वहीं ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या को अनुबंध सूची में बरकरार रखा है जबकि पंड्या भी घरेलू क्रिकेट नहीं खेलते हैं। पूर्व तेज गेंदबाज प्रवीण ने तंज कसते हुए कहा कि पंड्या कोई चांद से उतर के नहीं आया है।

प्रवीण ने कहा, पंड्या क्या चांद से उतर के आया है। अन्य लोगों की तरह ही उन्हें भी घरेलू क्रिकेट खेलना होगा। उनके लिए कोई अलग नियम नहीं रखा जा सकता। बीसीसीआई को अपनी इस नीति का कारण भी बताना होगा। साथ ही सवाल किया कि पंड्या केवल घरेलू क्रिकेट में टी20 टूर्नामेंट ही क्यों खेलेंगे? उन्हें टेस्ट और टी20 सहित हर प्रारुप में खेलना होगा।

पंड्या ने भारतीय टीम की ओर से छह साल से टेस्ट क्रिकेट नहीं खेला है। उन्होंने अपना आखिरी टेस्ट इंग्लैंड के खिलाफ साल 2018 में खेला था। इसके बाद से ही वह टेस्ट मैच से बाहर हैं। वह केवल भारतीय टीम की ओर से टी20 और एकदिवसीय मैच में भाग लेते हैं। घरेलू क्रिकेट की बात करें तो वह केवल 20 ओवर के मैच में हिस्सा लेते हैं। हाल में ही उन्होंने विजय हजारे ट्रॉफी में अपनी टीम की ओर से खेला था। पंड्या ने अब तक भारत की ओर से कुल 92 टी20 मैच खेले हैं। इस दौरान उन्होंने कुल 1348 रन बनाये हैं। उनका सबसे अधिक स्कोर 71 का रहा है। वहीं गेंदबाजी करते हुए हार्दिक ने 92 मैचों की 82 पारियों में कुल 73 विकेट लिए हैं।

आरसीबी की पुरुष टीम के साथ जो होता है उससे मेरा कोई संबंध नहीं : स्मृति मंधाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर की कप्तान स्मृति मंधाना रविवार को यहां दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ होने वाले महिला प्रीमियर लीग फाइनल से पहले अपनी टीम पर ज्यादा दबाव नहीं डालना चाहती और उनका कहना है कि वह इंडियन प्रीमियर लीग में फ्रेंचाइजी की पुरुष टीम से तुलना करने के मूड में नहीं हैं। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर की पुरुष टीम पिछले 17 साल में एक भी आईपीएल खिताब नहीं जीत पाई है लेकिन वह 3 बार उपविजेता (2009, 2011, 2016) रही है। लेकिन डब्ल्यूपीएल के दूसरे ही सत्र में मंधाना की अगुवाई वाली आरसीबी महिला टीम को खिताब जीतने का शानदार मौका मिल गया है।

मंधाना ने कहा कि पहले तो मुझे लगता है कि यह साल हमारे लिए पूरी फ्रेंचाइजी से जुड़ने के लिए काफी अहम था। पुरुष टीम के साथ जो हुआ, कभी कभार इससे दबाव होता है। इसलिये हम सिर्फ यही सोच रहे हैं कि हमने ज्यादा तनाव नहीं लेना है। पुरुष टीम के साथ क्या हुआ, हमें उससे कुछ लेना देना नहीं है।

आरसीबी के लिए डब्ल्यूपीएल का पहला सत्र इतना अच्छा नहीं रहा था जिसमें टीम लीग तालिका में चौथे स्थान पर रही थी। लेकिन मंधाना का मानना है कि वर्तमान में रहना अहम है। उन्होंने कहा कि क्रिकेट ने जो सिखाया है, उसके अनुसार वर्तमान में रहना अहम है। यह मैच के दिन अच्छा क्रिकेट खेलने के बारे में हैं और कल के मुकाबले में जो भी टीम अच्छा करेगी खिताब जीतेगी। मंधाना फाइनल की प्रतिद्वंद्वी टीम की कप्तान मेग लैनिंग का बहुत सम्मान करती हैं लेकिन उन्हें लगता है कि कप्तान हमेशा टीम के जितना ही अच्छा होता है।

मंधाना ने कहा कि हम कप्तान की भूमिका को बहुत अधिक तवज्जो देते हैं लेकिन कप्तान टीम के जितना ही अच्छा होता है। कल भी कुछ नहीं बदलेगा, हम दिल्ली कैपिटल्स की अच्छी टीम के खिलाफ खेलेंगे जिसने पिछले 2 सत्र में काफी अच्छा क्रिकेट खेला है। उन्होंने कहा कि मैं हमेशा लैनिंग से प्रेरणा लेती हूं, वह बल्लेबाजी को बखूबी समझती है। उन्होंने मुझे सिखाया कि अन्य खिलाड़ियों से किस तरह प्रेरणा ली जाए। जब मैंने पदार्पण किया था तो लैनिंग आस्ट्रेलिया के शीर्ष स्कोरर थीं। उन्हें खेलते हुए देखना अच्छा लगता है।

लैनिंग ने उम्मीद जताई कि उनकी खिलाड़ी रविवार को टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट खेलकर खिताब जीतेंगी जिससे वे पिछले साल चूक गए थे। दिल्ली कैपिटल्स पिछले साल फाइनल में मुंबई इंडियंस से हारकर उप विजेता रही थी। लैनिंग ने कहा कि हम कल के लिए अच्छी तरह तैयार हैं। यह शानदार मैच होगा। हम खिताब जीतने का मौका मिलने से उत्साहित हैं और मैदान में जाकर इसे जीतना चाहते हैं। हम

टूर्नामेंट में अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाना चाहते हैं।

आईपीएल में अवसर नहीं मिलने से निराश नहीं हैं मुशीर खान

मुम्बई । अंडर-19 विश्वकप क्रिकेट के बाद रणजी ट्रॉफी में भी शानदार प्रदर्शन करने वाले युवा बल्लेबाज मुशीर खान ने कहा है कि आईपीएल निलामी में नहीं बिकने से निराश नहीं है। मुशीर का मानना है कि इससे भी उन्हें इस प्रारुप को समझने के लिए पर्याप्त समय मिल गया है। जिसका आने वाले समय में लाभ ही होगा। मुशीर ने पिछले कुछ सममय में अपने प्रदर्शन से सभी का ध्यान खींचा है। इस क्रिकेटर ने रणजी ट्राफी फाइनल में भी शतक लगाकर मुम्बई की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। इस युवा क्रिकेटर का कहना है कि वह आने वाले समय में आईपीएल में भी बेहतर प्रदर्शन का प्रयास करेंगे। मुशीर ने कहा, ''मेरा नाम आईपीएल में नहीं है पर में इससे परेशान नहीं हूं। मेरे पिता ने मुझे कहा कि टेस्ट क्रिकेट और टीम इंडिया के लिए खेलो। आईपीएल बाद में खेलने का अवसर मिल जाएगा।''

सेंसेक्स की प्रमुख 10 में से पांच कंपनियों का मार्केट कैप 2.23 लाख करोड़ घटा

नई दिल्ली । बीते सप्ताह सेंसेक्स की प्रमुख 10 कंपनियों में से पांच के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 2,23,660 करोड़ रुपये की गिरावट आई। शेयर बाजार में कमजोरी के रुख के बीच सबसे अधिक नुकसान रिलायंस इंडस्ट्रीज और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) को उठाना पड़ा। सप्ताह के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, एलआईसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार मूल्यांकन में गिरावट आई। वहीं टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, इन्फोसिस और आईटीसी की बाजार हैसियत बढ़ गई। समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 81,763.35 करोड़ रुपये घटकर 19,19,595.15 करोड़ रुपये पर आ गया। सबसे अधिक नुकसान में रिलायंस इंडस्ट्रीज ही रही। एलआईसी का बाजार मूल्यांकन 63,629.48 करोड़ रुपये घटकर 5,84,967.41 करोड़ रुपये और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का 50,111.7 करोड़ रुपये घटकर 6,53,281.59 करोड़ रुपये रह गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर की बाजार हैसियत 21,792.46 करोड़ रुपये घटकर 5,46,961.35 करोड़ रुपये पर आ गई। आईसीआईसीआई बैंक का मूल्यांकन 6,363.11 करोड़ रुपये घटकर 7,57,218.19 करोड़ रुपये रह गया। इस रुख के विपरीत टीसीएस का बाजार पूंजीकरण 38,858.26 करोड़ रुपये बढ़कर 15,25,928.41 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। भारती एयरटेल का मूल्यांकन 11,976.74 करोड़ रुपये बढ़कर 6,89,425.18 करोड़ रुपये हो गया। आईटीसी की बाजार हैसियत 7,738.51 करोड़ रुपये बढ़कर 5,23,660.08 करोड़ रुपये पर और इन्फोसिस की 7,450.22 करोड़ रुपये के उछाल के साथ 6,78,571.56 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। एचडीएफसी बैंक का बाजार मूल्यांकन 4,443.9 करोड़ रुपये बढ़कर 11,03,151.78 करोड़ रुपये हो गया। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। उसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, भारती एयरटेल, इन्फोसिस, एसबीआई, एलआईसी, हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी का स्थान रहा।

जोमेटो को मिला 8.57 करोड़ का जीएसटी नोटिस

नई दिल्ली ।

खाना डिलिवरी करने वाली ऐप जोमैटो को 8 करोड़ रुपये से ज्यादा का जीएसटी ऑर्डर मिला है। ये नोटिस डेप्युटी कमिश्नर ऑफ स्टेट टैक्स, गुजरात ने वित्त वर्ष 2018-19 से जुड़े टैक्स के बारे में जारी किया है। इस बारे में कंपनी मे शेयर बाजारों जानकारी देते हुए कहा कि इस जीएसटी ऑर्डर में कंपनी से 4 करोड़ से ज्यादा (4,11,68,604) रुपये के जीएसटी का भुगतान करने को कहा गया है। वहीं इस राशि पर ब्याज मिलाकर कुल अमाउंट 8,57,77,696 बनता है जो कि कंपनी को अदा करना है। इस नोटिस पर कंपनी ने कहा कि जोमैटो ने कारण बताओ नोटिस के जवाब में सभी जरूरी दस्तावेजों के साथ अपनी ओर से स्पष्टीकरण दिया था, लेकिन उन्हें ऐसा लगता है कि आदेश पारित करते समय अधिकारियों द्वारा पूरी तरह से विचार नहीं किया गया था। ज़ोमैटो ने अपने बयान में कहा, वह उचित अधिकारियों के समक्ष इस आदेश को चुनौती देगी। वहीं दूसरी तरफ, एंटफिन सिंगापुर होल्डिंग ने 6 मार्च को ओपन मार्केट ट्रांसैक्शन के जरिए 2,827 करोड़ रुपये में ज़ोमैटो में अपनी दो प्रतिशत हिस्सेदारी बेच दी।एंटफिन सिंगापुर होल्डिंग पीटीई एंट फाइनेंशियल ग्रुप का सहयोगी है, जबकि एंट फाइनेंशियल ग्रुप चीनी ई-कॉमर्स दिग्गज अलीबाबा का हिस्सा है। इससे पहले ज़ोमैटो को 29 अक्टूबर 2019 से 31 मार्च 2022 की अवधि के दौरान अपने ग्राहकों से डिलीवरी शुल्क संग्रह पर ब्याज और जुर्माने के अलावा, दिसंबर 2023 में डिलीवरी शुल्क पर अवैतनिक जीएसटी के लिए ₹402 करोड़ का कारण बताओ नोटिस भी मिला था। कंपनी के शेयर की बात करें को शुक्रवार, 15 मार्च को बीएसई पर ज़ोमैटो के शेयर 4.68 प्रतिशत बढ़कर 9.90 पर बंद हुए।

चुनाव की घोषणा के साथ व्यापारियों को सताने लगा डर

कारोबारियों ने चुनाव आयोग से गुहार लगाई, आचार संहिता के नाम पर कारोबार का नुकसान न हो

नई दिल्ली ।

चुनाव आयोग द्वारा चुनावी महाकुंभ की तारीखों का ऐलान करते ही देश में आदर्श आचार संहिता लागू हो गई। आचार संहिता के नियम कायदों के चलते कई बार व्यापारियों को भारी परेशानी उठानी पड़ती है। जिसके वजह से कारोबारियों ने चुनाव आयोग से गुहार लगाई है कि चुनाव आचार संहिता के नाम पर व्यापार और व्यापारियों का नुकसान न हो इसका ध्यान रखा जाए ताकि स्वतंत्र और निपक्ष चुनाव के साथ अर्थव्यवस्था की गाड़ी भी चलती रहे। चुनाव की तारीख घोषित होने के बाद कारोबारी संगठन कॉन्फडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (केट) की तरफ से बयान जारी करके कहा गया कि देश में आम चुनाव होना 5 साल की एक प्रक्रिया है। व्यापार दिन-रात बारह महीने चलते रहता है। चुनाव में आचार संहिता लगाना अच्छी बात है। उतना ही जरूरी है कि व्यापार जिस तरीके से चलता है वह प्रभावित ना हो, चलता रहे। व्यापार में शहर के व्यापारी विभिन्न गांवों में, देहातों में, आदिवासी इलाकों की दुकानों में माल भेजते रहते हैं। समय-समय पर दौरा लगाकर अपने पैसे की वसूली करते हैं। काफी बड़ी रकम उनके पास जमा रहती है। इसी प्रकार सोना- चांदी के व्यापारी व अन्य सामानों के व्यापारी अपनी गाड़ियों में माल भरकर गांव-गांव बेचते हैं। सामान के पैसे जमा करते हैं। इस तरह से व्यापारियों के पास बहुत सारा पैसा और सोना-चांदी आभूषण आदि व्यापार संबंधित रहते हैं। अर्थव्यवस्था को चलाए रखने के लिए यह सब अनिवार्य है।व्यापारियों का कहना है कि देश में शादियों का मौसम शुरु होने वाला है। ऐसे समय माल की खपत बढ़ जाती है। ग्रामीण क्षेत्र से बहुत से लोग नगद पैसे लेकर शहर में खरीदी करने आते हैं। पैसे का चुनाव में दुरुपयोग ना हो यह भी सुनिश्चित करना जरूरी है लेकिन अर्थव्यवस्था चलाने के लिए व्यापारियों को नगद, सोने चांदी के आभूषण आदि लेकर यात्रा करना भी जरुरी होता है। इसलिए व्यापार और व्यापारी को प्रभावित न करते हुए आचार संहिता का पालन होना चाहिए।

अगले हफ्ते आएगा प्रोसेसेड फूड बनाने वाली कंपनी का आईपीओ

नई दिल्ली ।

अगले हफ्ते 19 मार्च को प्रोसेस्ड फूड बनाने वाली कंपनी चंडढा फूड का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलने जा रहा है। कंपनी का ये 34 करोड़ का आईपीओ बोली लगाने के लिए 21 मार्च तक खुला रहेगा। इस आईपीओ के तहत कंपनी के 59.62 लाख नए शेयर जारी किए जाएंगे। 21 मार्च को सब्सक्रिप्शन के लिए बंद होने के बाद इस कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग 27 मार्च 2024 को बीएसई एसएमई प्लेटफॉर्म पर हो सकती है। प्राइस बैंड की बात करें को इसके लिए 53 से 56 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड रखा गया है। लॉट साइज 2000 शेयरों का है। इश्यू के रिजर्व हिस्से की बात करें को इश्यू का 50 प्रतिशत हिस्सा क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स के लिए, 35 प्रतिशत हिस्सा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए और 15 प्रतिशत हिस्सा नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स के लिए रिजर्व रखा गया है। आईपीओ के लिए इंडोरेंट फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड बुक रनिंग लीड मैनेजर है। साल 1999 में शुरू हुई ये कंपनी फोजन और रेडी टू ईट प्रोसेस्ड मीड प्रोडक्ट बनाती है। इस एरिया में ये कंपनी भारत की दिग्गज कंपनियों में से एक है। कंपनी की वित्तिय स्थिति पर नजर डालें तो कंपनी का रेवेन्यू वित्त वर्ष 2023 में 34.14 प्रतिशत बढ़कर 117.24 करोड़ रुपये और शुद्ध मुनाफा 264.66 प्रतिशत बढ़कर 2.45 करोड़ रुपये रहा।

कई राज्यों में और गिरे पेट्रोल-डीजल के भाव

- ब्रेंट क्रूड 85.34 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में हल्की गिरावट देखी जा रही है। रविवार को डब्ल्यूटीआई क्रूड बढ़कर 81.04 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड 85.34 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। महाराष्ट्र में पेट्रोल 66 पैसे और डीजल 64 पैसे सस्ता हो गया है। पंजाब में पेट्रोल 30 और डीजल 34 पैसे सस्ता हो गया है। बिहार मध्य प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, और हिमाचल प्रदेश में भी पेट्रोल-डीजल की कीमतों में गिरावट आई है। दूसरी और झारखण्ड और पश्चिम बंगाल समेत कुछ अन्य राज्यों में पेट्रोल-डीजल की कीमत में तेजी दिख रही है। वहीं दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 103.94 रुपये और डीजल 90.76 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये और डीजल 94.34 रुपये प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 94.71 रुपये और डीजल 87.81 रुपये प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 94.65 रुपये और डीजल 87.75 रुपये प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 94.56 रुपये और डीजल 87.66 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 105.24 रुपये और डीजल 92.10 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपये और डीजल 79.74 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

अमेरिकी कोर्ट से लगा बायजू को झटका, पैरेंट कंपनी पैसे हुए फ्रीज

मुंबई । संकट में फंसी एडटेक कंपनी बायजू की पैरेंट कंपनी थिंक एंड लर्न को एक और झटका लगा। अमेरिकी कोर्ट ने कंपनी के 53.3 करोड़ डॉलर फ्रीज कर दिए हैं। अमेरिकी कोर्ट ने आदेश में कहा है कि यह पैसा कहीं इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। इस फैसले को कंपनी के खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ रहे कर्जदाताओं की जीत माना जा रहा है। थिंक एंड लर्न ने कानूनी विवादों में फंसने के बाद इस 53.3 करोड़ डॉलर को कथित तौर पर मॉर्टन हेज फंड में ट्रांसफर किया था। रिपोर्ट के मुताबिक, कर्जदाताओं ने मांग की थी कि टेक फर्म द्वारा पैसे के इस्तेमाल को रोकने के लिए इस कोर्ट में जमा करवा दिया जाए। कोर्ट ने बायजू के फाउंडर बायजू रविंद्रन के भाई और कंपनी के डायरेक्टर रिजू रविंद्रन को निशाना बनाकर कहा कि आप बताइए पैसा कहां है। जज ने सुनवाई में कहा, मैं उनका विश्वास नहीं कर पा रहा हूं कि उन्हें पैसे के बारे में पता नहीं है। थिंक एंड लर्न उन्हें यह जानकारी क्यों नहीं दे रही कि पैसा कहां है। रवींद्रन के वकील शेरोन कोर्पस ने सुनवाई के दौरान अमेरिका कोर्ट में तर्क दिया कि थिंक एंड लर्न में चल रहे संकट के लिए कर्जदाता ही जिम्मेदार हैं। कर्जदाता ही हमारे ऊपर लोन डिफॉल्ट का जरूरत से ज्यादा दबाव बना रहे थे।

एफपीआई ने मार्च के पहले पखवाड़े में शेयरों में 40,710 करोड़ निवेश किया

नई दिल्ली । विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने इस महीने मार्च में के पहले पखवाड़े में भारतीय शेयर बाजारों में 40,710 करोड़ रुपये का निवेश किया है। वृहद आर्थिक परिदृश्य में सुधार और घरेलू मोर्चे पर मजबूत आंकड़ों से एफपीआई का भारतीय शेयरों में आकर्षण बना हुआ है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार इससे पहले फरवरी में एफपीआई ने शेयरों में 1,539 करोड़ रुपये डाले थे। वहीं जनवरी में उन्होंने 25,743 करोड़ रुपये के शेयर बेचे थे। बाजार के जानकार ने कहा कि एफपीआई अमेरिका में बॉन्ड प्रतिफल में बदलाव की वजह से अपनी रणनीति बदल रहे हैं। चूंकि अमेरिका में बॉन्ड पर प्रतिफल फिर बढ़ गया है, ऐसे में आगामी दिनों में एफपीआई फिर बिकवाली कर सकते हैं। वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में सुधार की वजह से एफपीआई भारत जैसे बाजारों का रुख कर रहे हैं। इसके अलावा बाजार में हालिया करेक्शन से भी उन्हें निवेश का अवसर मिला है। शेयरों के अलावा एफपीआई ने समीक्षाधीन अवधि में ऋण या बॉन्ड बाजार में 10,383 करोड़ रुपये का निवेश किया है। ऋण या बॉन्ड बाजार की बात की जाए, तो ब्लूमबर्ग ने अगले साल 31 जनवरी से भारतीय बॉन्ड को इमर्जिंग मार्केट (ईएम) लोकल करेंसी गवर्नमेंट इंडेक्स में शामिल करने की घोषणा की है। इसके चलते एफपीआई बॉन्ड बाजार में पैसा लगा रहे हैं। इससे पहले उन्होंने बॉन्ड बाजार में फरवरी में 22,419 करोड़ रुपये, जनवरी में 19,836 करोड़ रुपये, दिसंबर में 18,302 करोड़ रुपये डाले थे। कुल मिलाकर इस साल अब तक एफपीआई भारतीय शेयर बाजार में 16,505 करोड़ रुपये डाल चुके हैं। इस दौरान उन्होंने ऋण बाजार में 52,639 करोड़ रुपये का निवेश किया है।

अदाणी ग्रुप पर रिश्वतखोरी की आशंका में जांच जारी

मुंबई ।

अदाणी ग्रुप को लेकर जांच का दायरा बढ़ता जा रहा है। ब्लूमबर्ग के अनुसार अमेरिका अदाणी समूह के संस्थापक गौतम अदाणी और उनकी कंपनियों के रिश्वतखोरी में शामिल होने का आंशका पर जांच कर रही है। ब्लूमबर्ग ने मामले की जानकारी रखने वाले लोगों के हवाला से लिखा है कि जांचकर्ता इस बात की जांच कर रहे हैं कि क्या अदाणी समूह या गौतम अदाणी सहित कंपनी से जुड़े लोग, एक एनर्जी प्रोजेक्ट के लिए अधिकारियों को रिश्वत देने में शामिल थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि न्यूयॉर्क के पूर्वी जिले के अमेरिकी अटॉर्नी कार्यालय और वाशिंगटन में न्याय विभाग की फॉड यूनिट इस जांच का काम संभाल रही है, और इस मामले में रिन्यूएबल एनर्जी कंपनी एज्योर पावर ग्लोबल पर भी नजर रख रही है। इस मामले में अदाणी ग्रुप ने ब्लूमबर्ग को बताया कि हमें अपने चेयरमैन के खिलाफ किसी जांच की जानकारी नहीं है। एक कारोबारी व्यावसायिक समूह के रूप में हम भारत और अन्य देशों में भ्रष्टाचार विरोधी और रिश्वत विरोधी कानूनों के अधीन हैं और उनका पूरी तरह से पालन करते हैं। बता दें कि अदाणी समूह और एज्योर ग्रीन एनर्जी एरिया में दो बड़े खिलाड़ी हैं। बीते कुछ समय में दोनों ने एक ही राज्य-संचालित सौर कार्यक्रम के हिस्से के रूप में परियोजनाओं के लिए डील फाइनल की है। एज्योर, अवैध भुगतान की व्हिसलब्लोअर शिकायतों और देरी से की गई फाइलिंग के कारण पिछले साल के अंत में न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज से हटा दिया गया था। एज्योर ने पिछले साल कहा था कि वह न्याय विभाग और एसईसी के साथ सहयोग कर रहा है।

केंद्रीय बैंकों के नीतिगत फैसले शेयर बाजार को प्रभावित करेंगे

- रुपए की चाल, अमेरिकी ड पर प्रतिफल और कच्चे तेल में उतार-चढ़ाव पर भी नजर रहेगी

मुंबई ।

रूस की तेल रिफाइनरी पर यूक्रेन के ड्रोन हमले के साथ ही अमेरिका में महंगाई की दर अनुमान से अधिक रहने के बाद फेड रिजर्व के ब्याज दरों में कटौती शुरू करने को लेकर बढ़ी चिंता के दबाव में स्थानीय स्तर पर हुई भारी बिकवाली से बीते सप्ताह दो प्रतिशत की गिरावट देख चुके घरेलू शेयर बाजार पर इस सप्ताह विश्व के कई केंद्रीय बैंकों की नीतिगत दरों को लेकर होने वाली बैठकों के निर्णय का असर रहेगा। इसके अलावा वैश्विक बाजारों का रुख और विदेशी निवेशकों की गतिविधियां भी बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेंगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। पिछले सप्ताह छोटी और मझोली कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट, विदेशी कोषों की निकासी और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की ऊंची कीमतों से निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई थी। विशेषज्ञों का कहना है कि सप्ताह के दौरान दुनिया के कई केंद्रीय बैंक मौद्रिक नीति पर अपने रुख की घोषणा करेंगे। ऐसे में निकट अवधि में शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव रह सकता है। बाजार के जानकारों ने कहा कि इस सप्ताह मौद्रिक नीति पर सभी का ध्यान रहेगा। फेडरल रिजर्व की दो दिन की नीतिगत बैठक 19 मार्च को शुरू होने जा रही है। अमेरिकी केंद्रीय बैंक 20 मार्च को ब्याज दरों पर अपने निर्णय की घोषणा करेगा। उन्होंने बताया कि इसके अलावा चीन एक साल और पांच साल के कर्ज पर प्रमुख दरों की घोषणा करेगा। बैंक ऑफ जापान (बीओजे) 19 मार्च को ब्याज दर पर अपने निर्णय की घोषणा करेगा। जापान 22 मार्च को ही मुद्रास्फीति के आंकड़े भी जारी करेगा। इसके अलावा डॉलर के मुकाबले रुपये की चाल, अमेरिकी बॉन्ड पर प्रतिफल और कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव पर सभी की नजर रहेगी। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि अनिश्चितता के बीच निवेशक शेयरों में अपने निवेश के लिए वैश्विक बाजारों के रुख पर निगाह रखेंगे। उन्होंने कहा कि यह सप्ताह

आर्थिक दृष्टि से महत्वपूर्ण रहने वाला है। वैश्विक स्तर पर कई बड़े केंद्रीय बैंक अपनी नीतिगत रुख की घोषणा करेंगे। ऐसे में हमारा मानना है कि निकट अवधि में बाजार में अस्थिरता रहेगी। निवेशकों का ध्यान बड़े और सुरक्षित शेयरों पर रहेगा। विश्लेषकों का कहना है कि निवेशकों का ध्यान अब आगामी लोकसभा चुनावों पर रहेगा। सात चरणों के लोकसभा चुनाव 19 अप्रैल से शुरू होने जा रहे हैं। मतों की गिनती चार जून को होगी। आने वाले सप्ताह में वैश्विक केंद्रीय बैंकों के मौद्रिक नीति निर्णय पर निवेशकों का ध्यान रहेगा। फेडरल रिजर्व के साथ बैंक ऑफ जापान और बैंक ऑफ इंग्लैंड सप्ताह के दौरान ब्याज दरों पर अपने निर्णय की घोषणा करेंगे।

सरसों तेल तिलहन की कीमतें गिरावट के साथ बंद

- मांग कमजोर रहने से बिनौला तेल की कीमतें भी पूर्ववत बंद हुई

नई दिल्ली ।

होली की छुट्टियों से पहले थोक मंडियों में रिकॉर्ड आवक होने से शनिवार को सरसों तेल तिलहन कीमतें गिरावट के साथ बंद हुई। दूसरी ओर खाद्य तेलों की आपूर्ति कम रहने के बीच सोयाबीन तेल तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन के दाम मजबूत रहे। मूंगफली तेल तिलहन और बिनौलातेल के भाव पूर्वस्तर पर बंद हुए। बाजार सूत्रों ने कहा कि होली की लंबी छुट्टी से पहले विशेषकर छोटे किसान अपनी ऊपज बाजार में ला रहे हैं और इसकी आवक सवा चार लाख बोरी से बढ़कर लगभग 4.50 लाख बोरी हो गई। आवक बढ़ने के साथ साथ सरसों का दाम तोड़ने के लिए कुछ निहित स्वार्थी तत्व यह चर्चा भी फैलाने में लगे हैं कि अगले महीने सोयाबीन डीगम और सूरजमुखी तेल का आयात बढ़ने वाला है। सूत्रों ने कहा कि ऊंचे दाम पर मांग कमजोर रहने के बीच मूंगफली तेल तिलहन के पूर्वस्तर पर रहने के अलावा बिनौला तेल कीमतें भी पूर्ववत बंद हुई।तेल-तिलहनों के भाव इस प्रकार रहे- सरसों तिलहन- 5,425-5,465 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली - 6,125-6,400 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली तेल मिल डिलिवरी (गुजरात) - 15,000 रुपये प्रति क्विंटल, गफली रिफाइंड तेल 2,250-2,525 रुपये प्रति टिन, सरसों तेल दादरी- 10,350 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की घानी- 1,750-1,850 रुपये प्रति टिन, सरसों कच्ची घानी- 1,750 -1,855 रुपये प्रति टिन, तिल तेल मिल डिलिवरी - 18,900-21,000 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन तेल मिल डिलिवरी दिल्ली- 11,200 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन मिल डिलिवरी इंदौर- 10,900 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन तेल डीगम, कांडला- 9,650 रुपये प्रति क्विंटल, सीपीओ एक्स-कांडला- 9,225 रुपये प्रति क्विंटल, बिनौला मिल डिलिवरी (हरियाणा)- 9,600 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलिन आरबीडी, दिल्ली- 10,650 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलिन एक्स- कांडला- 9,750 रुपये (बिना जीएसटी के) प्रति क्विंटल, सोयाबीन दाना - 4,645-4,665 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन लूज- 4,445-4,485 रुपये प्रति क्विंटल, मक्का खल (सरिस्का)- 4,075 रुपये प्रति क्विंटल।

ट्रेडिंग को बेहतर और आसान बनाने वाले उपायों को सेबी की मंजूरी

मुंबई ।

शेयर बाजार नियामक, सिक्योरिटी एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) ने स्टॉक मार्केट में ट्रेडिंग को और बेहतर व आसान बनाने के कई उपायों को मंजूरी दे दी है। इन उपायों में ऑप्शनल टी+0 सेटलमेंट के बीटा संस्करण के लांच को मंजूरी और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) और प्रारंभिक शेयर बिक्री के माध्यम से धन जुटाने की चाहत रखने वाली इकाइयों को छूट प्रदान करना शामिल है। सेबी बोर्ड ने बैठक के दौरान प्रस्तावों को मंजूरी दी। सेबी ने बयान में कहा कि इक्विटी शेयर के सार्वजनिक/राइट्स इश्यू में एक प्रतिशत 'सिक्योरिटी डिपॉजिट' की आवश्यकता को खत्म करने और अप्रत्याशित घटना के कारण ऑफर समापन तिथि के विस्तार को लचीलापन बनाने का निर्णय हुआ है। सेबी ने कहा, हितधारकों की प्रतिक्रिया को ध्यान में रखते हुए, बोर्ड ने 25 शेयरों के सीमित सेट और दलालों के सीमित सेट के साथ वैकल्पिक टी+0 निपटान के बीटा संस्करण को लांच करने की मंजूरी दे दी। सिक्योरिटी मार्केट में अब तक टी+1 सेटलमेंट साइकल पर काम होता आया है। टी+1 सेटलमेंट को 2021 में पेश किया गया था और चरणों में लागू किया गया, अंतिम चरण जनवरी 2023 में पूरा हुआ। अब टी+0 के आने से शेयर की खरीदारी और बिक्री का सेटलमेंट एक ही दिन में होगा।

हिमालय क्षेत्र में विदेशी फसलों की खेती को मिलेगा बढ़ावा

नई दिल्ली । विश्व सहकारी आर्थिक मंच हिमालय क्षेत्र में विदेशी बागवानी फसलों की खेती को बढ़ावा देने के लिए आईसीएआर-केंद्रीय शीतोष्ण बागवानी संस्थान सहित कई संगठनों के साथ मिलकर काम करेगा। इस मंच की स्थापना भारत में सहकारी आंदोलन को मजबूत करने के लिए की गई है। विश्व सहकारी आर्थिक मंच ने एक बयान में कहा कि वह भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ (एनसीयूआई), आईसीएआर-केंद्रीय शीतोष्ण बागवानी संस्थान (सीआईटीएच), कंफेडरेशन ऑफ एनजीओ ऑफ रूरल इंडिया (सीएनआरआई) और शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय (एसकेयूएएसटी) सहित विभिन्न संस्थानों के साथ सहयोग करेगा। बयान के मुताबिक शुरुआत में जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नगालैंड, सिक्किम, त्रिपुरा, असम और पश्चिम बंगाल में हेजलनट, अखरोट और अन्य विदेशी फसलों को बढ़ावा दिया जाएगा। ये संस्थान इन फसलों की खेती को बढ़ावा देने के अलावा कौशल प्रशिक्षण देंगे और विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे में युवाओं को बताएंगे।

पिछले एक साल में भारतीय पेटेंट कार्यालय ने एक लाख पेटेंट दिए

नई दिल्ली । भारतीय पेटेंट कार्यालय ने पिछले एक साल में एक लाख से अधिक पेटेंट दिए हैं। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। बयान में कहा गया कि बौद्धिक संपदा अधिकार से जुड़े पारिस्थितिकी तंत्र को और मजबूत करने के लिए सरकार के उपायों के चलते ये नतीजे आए। बयान के मुताबिक इस दौरान भौगोलिक संकेत (जीआई) पंजीकरण में उल्लेखनीय वृद्धि हुई, जो इससे पिछले साल की तुलना में तीन गुना है। इस समय भारत में 573 जीआई पंजीकृत हैं। वित्त वर्ष 2023-24 में 98 नए जीआई पंजीकृत किए गए और 31 मार्च तक 62 अन्य को पंजीकृत किए जाने की उम्मीद है। इसी तरह चालू वित्त वर्ष में अब तक कॉपीराइट और डिजाइन पंजीकरण के आंकड़े क्रमशः 36,378 और 27,819 हैं। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने बयान में कहा कि पेटेंट कार्यालय ने पिछले एक साल (15 मार्च 2023 से 14 मार्च 2024) में एक लाख से अधिक पेटेंट दिए हैं। प्रत्येक कार्य दिवस में करीब 250 पेटेंट दिए गए। मंत्रालय ने कहा कि सरकार ने पेटेंट हासिल करने की प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए पेटेंट नियम, 2024 में कई प्रावधान किए हैं।